

आईएमएमएन ISSN: 2583-861X



न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड  
Nuclear Power Corporation of India Limited

# ऊर्जस्वी

## गृह-पत्रिका

वर्ष 2026 प्रथमांक (अंक-30)



न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड  
(भारत सरकार का उद्यम)  
मुख्यालय, मुंबई



एनपीसीआईएल कैगा परियोजना-5व6 में कंक्रीट की प्रथम भराई के साथ निर्माण गतिविधियों का शुभारंभ करते हुए डॉ. अजीत कुमार मोहंती, अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग और सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग; श्री भुवन चंद्र पाठक, तत्कालीन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनपीसीआईएल एवं अन्य गणमान्य जन



मुंबई (उपक्रम) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 76वीं बैठक में टॉलिक की हिंदी पत्रिका "टॉलिक समाचार" का विमोचन करते हुए श्री भुवन चंद्र पाठक, तत्कालीन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनपीसीआईएल एवं अन्य गणमान्य जन

# ऊर्जस्वी

मुख्य संरक्षक



श्री राजेश वीराराधवन  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)

संरक्षक



श्री नितिन रामचंद्र चौधरी  
निदेशक (मानव संसाधन)

मुख्य परामर्शदाता



श्री राजेन्द्र कुमार सेठ  
अधिसासी निदेशक (मानव संसाधन)

परामर्शदाता



श्री कृष्णा नंद जोशी  
उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन)

## संपादन मंडल

संपादक



श्री बद्री विशाल सिंह चौहान  
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

सह संपादक



श्रीमती ममता एस कुमार  
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

## संपादन सहयोग



श्री कमलेश कुमार शुक्ला  
वरिष्ठ हिंदी अनुवादक ग्रेड-2



श्री संजय शर्मा  
वरिष्ठ हिंदी अनुवादक ग्रेड-2



श्रीमती शिल्पा गणेश नावेंकर  
वरिष्ठ हिंदी अनुवादक ग्रेड-2



श्री प्रिस ग्रोवर  
वरिष्ठ हिंदी अनुवादक ग्रेड - 2



श्रीमती उषा थापा  
प्रधान निजी सचिव



श्रीमती ओमवती चंद  
वरिष्ठ सहायक ग्रेड-2

प्रकाशन उत्तरदायित्व: बद्री विशाल सिंह चौहान, संपादक एवं वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

प्रकाशन जारीकर्ता : न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

(परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत भारत सरकार का उद्यम)

विक्रम साराभाई भवन, अणुशक्तिनगर, मुंबई - 400094 (महाराष्ट्र)

ईमेल: [bvschauhan@npcil.co.in](mailto:bvschauhan@npcil.co.in), दूरभाष संपर्क 9969613163

नोट: गृह-पत्रिका निःशुल्क और निजी वितरण के लिए है। प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार रचनाकारों के अपने हैं।

यह आवश्यक नहीं कि उनसे संपादन मंडल की सहमति हो।





## विश्व हिंदी दिवस संदेश

एनपीसीआईएल परिवार के सभी सदस्यों को विश्व हिंदी दिवस (10 जनवरी, 2026) के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं। यह सर्व विदित है कि भारत एक बहुभाषी देश है जिसमें अनेक भाषाएं बोली एवं प्रयोग की जाती हैं। भारत के संविधान के अनुच्छेद 343 (i) के अनुसार भारत सरकार की राजभाषा, हिंदी है। केंद्र सरकार के राजकाज की भाषा के रूप में हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं इसका अधिकाधिक प्रयोग करना अनुच्छेद 351 के तहत हम सभी का दायित्व है। भारत सरकार द्वारा हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र की अधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दिलाए जाने के लिए निरंतर विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। प्रथम अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन के नागपुर में शुभारंभ की तारीख 10 जनवरी, 1975 की स्मृति में वर्ष 2006 से निरंतर विश्व हिंदी दिवस मनाया जा रहा है। इस प्रकार राजभाषा हिंदी के प्रयोग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित कराने के भारत सरकार के संकल्प में हम अपना योगदान कर रहे हैं।

एनपीसीआईएल में राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए हम निरंतर संकल्पित प्रयास कर रहे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में हिंदी में काम करना सुगम होता जा रहा है। हमने विभिन्न डिजिटल प्रक्रियाओं, प्रणालियों एवं अनुप्रयोगों में इसके प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए बहुत से प्रयास किए हैं जिनके माध्यम से भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप हम हिंदी में काम करने में स्वयं को सक्षम पाते हैं। इसी क्रम में हमने सभी कार्मिकों को कृत्रिम मेधा आधारित “कंठस्थ-अनुवाद-सारथी” सॉफ्टवेयर के इंटरनेट रहित वर्जन को तैयार करा कर इंटरनेट पर सुलभ कराया है। इसके माध्यम से कंप्यूटर पर राजभाषा में कार्य करना सुगम हुआ है। हमें अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में इसका भरपूर उपयोग करना है।

इस अवसर पर मैं यह भी रेखांकित करना चाहता हूँ कि एनपीसीआईएल द्वारा हाल ही में, वर्ष 1969 में कमीशन की गई टीएपीएस, इकाई-1 को युगांतकारी संयंत्र विस्तार कार्यक्रमों के उपरांत क्रांतिक किया गया है। इस संयंत्र-आयु-विस्तार कार्यक्रम को वैश्विक नाभिकीय संरक्षा मानकों के अनुरूप संवर्धित संरक्षा विशिष्टताओं के साथ कार्यान्वित किया गया है। यह उपलब्धि भारत के नाभिकीय विद्युत कार्यक्रम में एनपीसीआईएल की अभियांत्रिकी उत्कृष्टता का एक महत्वपूर्ण मील स्तंभ है। इस प्रकार एनपीसीआईएल सुरक्षित, विश्वसनीय व संधारणीय तरीके से स्वच्छ विद्युत उत्पादन के लिए वर्ष 2047 तक विकसित भारत एवं वर्ष 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं समझता हूँ कि इसके लिए हमें दृढ़ता से निरंतर आगे बढ़ते रहने की आवश्यकता है।

मैं इस अवसर पर अपने सभी कार्मिकों से अपना अधिकाधिक कार्य हिंदी में करने की अपील करता हूँ। मुझे आशा ही नहीं, अपितु पूर्ण विश्वास है कि एनपीसीआईएल परिवार के सदस्यगण, राजभाषा हिंदी में अपना मूल कार्य करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित करते रहेंगे।

आप सभी को पुनः विश्व हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। जय हिंद।

स्थान : मुंबई,

10 जनवरी, 2026

(भुवन चंद्र पाठक)

## अनुक्रमणिका

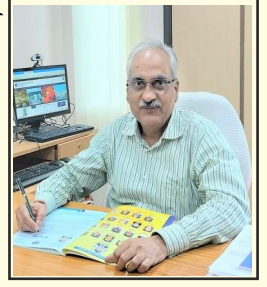
क्र.सं.	विषय	रचनाकार	पृष्ठ सं.
1.	विश्व हिंदी दिवस संदेश	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	3
2	संपादकीय	श्री बट्टी विशाल सिंह चौहान	5
3	कैगा परियोजना 5व6 में कंक्रीट की प्रथम भराई	राजभाषा अनुभाग, कैगा	6
4	आरएपीपी-7व8 में कोबाल्ट एडजस्टर रॉड से उच्च सक्रियता कोबाल्ट-60 आइसोटोप का उत्पादन (तकनीकी आलेख)	श्री नीरज गुप्ता व श्री प्रदीप सिंह रावत	7-8
5	रावतभाटा राजस्थान साइट की उपलब्धियां (तकनीकी आलेख)	राजभाषा अनुभाग, रा.रा.स्थल	9-10
6	राजभाषा गतिविधियां - मुख्यालय एवं इकाइयों/स्थलों/परियोजनाओं की रिपोर्ट (विभागीय राजभाषा संबंधित आयोजन)	मुख्यालय एवं इकाइयों/स्थलों/परियोजनाओं के राजभाषा अनुभाग	11-26
7	मद्रास परमाणु बिजलीघर में निगम सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियां (तकनीकी आलेख)	डॉ. कासलनाटि हरि कृष्णा	27-28
8	गुणवत्ता माह समारोह (रिपोर्ट)	श्री राजपति मिश्रा	29-31
9	अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह (रिपोर्ट)	श्रीमती संगीता पाताडे	32-33
10	हमारा शरीर और स्व-उपचार शक्ति (सामान्य आलेख)	श्री राम किशन माहेश्वरी	34-36
11	आरोग्य: संतुलित जीवन की वैज्ञानिक और व्यावहारिक दृष्टि (सामान्य आलेख)	श्री अशोक कुमावत	37
12	डिजिटल भारत : नई दिशा (कविता)	श्री अनिल कुमार गुप्ता	38
13	गाँव की पाठशाला (कविता)	श्री चक्रवर्ती भारती	39
14	जाने कब इतने बड़े हुए (कविता)	श्री सत्येंद्र कुमार मिश्रा	40
15	बचपन की याद (कविता)	श्री रूपेश अग्रवाल	40
16	एक अविस्मरणीय यात्रा (यात्रा संस्मरण)	अब्दुल हुसैन अमरावतीवाला	41
17	सफेद रेत का रेगिस्तान (यात्रा संस्मरण)	श्री विदित चंद्रा	41
18	महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों की अविस्मरणीय यात्रा (यात्रा संस्मरण)	शरीफ खान	42-43
19	नाभिकीय शब्दावली	राजभाषा अनुभाग, मुख्यालय	44



## संपादकीय

गृह-पत्रिका “ऊर्जस्वी” का 30वां अंक (वित्तीय वर्ष 2025–26 का द्वितीय अंक) आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें अपार प्रसन्नता हो रही है।

एनपीसीआईएल द्वारा 30 दिसंबर, 2025 को, वर्ष 1969 में कमीशन की गई तारापुर परमाणु बिजलीघर, इकाई-1 को युगांतकारी संयंत्र-विस्तार कार्यक्रमों के उपरांत क्रांतिक किया गया। यह उपलब्धि भारत के नाभिकीय विद्युत कार्यक्रम में अभियांत्रिकी उत्कृष्टता का एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान है।



01 मार्च, 2026 को 700 मेगावाट क्षमता वाले दो स्वदेशी भारी पानी रिएक्टर वाली कैगा परियोजना-5व6 की कंक्रीट की पहली भराई (एफपीसी) का शुभारंभ किया गया। इसकी सचित्र रिपोर्ट इस अंक में शामिल की गई है। साथ ही वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान एनपीसीआईएल ने कुल 55,190 मिलियन यूनिट(एमयू) का विद्युत उत्पादन किया। इस प्रकार नाभिकीय विद्युत ने अप्रत्यक्ष रूप से पर्यावरण में लगभग 47 मिलियन टन कार्बनडाइऑक्साइड के समतुल्य उत्सर्जन को टाला है। यह हरित पर्यावरण के प्रति एनपीसीआईएल के संकल्प को रेखांकित करता है।

भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के क्षेत्र में भी इसी प्रकार की उपलब्धियां प्राप्त करने के लिए निरंतर उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे हैं। इस क्रम में मुख्यालय, सभी अधीनस्थ इकाइयों, परियोजनाओं एवं कार्यालयों में राजभाषा में कामकाज के शत प्रतिशत लक्ष्य को पूर्ण कराने के उद्देश्य से विभिन्न डिजिटल प्रणालियों को लागू कराया गया है। राजभाषा के प्रचार-प्रसार में इनकी सहायता से राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी सटीक एवं सही जानकारी सुगमता से प्राप्त हो रही है। राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में किए जा रहे ये विशेष प्रयास, हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।

विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी, 2026 के अवसर पर मुख्यालय एवं सभी अधीनस्थ इकाइयों में राजभाषा के प्रचार-प्रसार से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों एवं वैज्ञानिक संगोष्ठियों का आयोजन किया गया जिनकी सचित्र रिपोर्ट इस पत्रिका में शामिल की गई हैं। विभागीय वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषयों को सरल हिंदी में प्रस्तुत करने हेतु तकनीकी संगोष्ठियों एवं वैज्ञानिक वार्ताओं का आयोजन किया गया।

पाठकों के लिए गृह-पत्रिका को अधिक सुग्राह्य बनाने के उद्देश्य से इसे फ्लिप-बुक और हिंदी में श्रवणीय स्वरूप (ऑडियो फॉर्मेट) में तैयार करवाकर एनपीसीआईएल की वेबसाइट [www.npcil.nic.in](http://www.npcil.nic.in) (मानव संसाधन प्रबंधन > राजभाषा) और मुख्यालय के इंटरनेट वेबपेज (राजभाषा > ई-गृहपत्रिका) पर उपलब्ध कराया गया है।

इस गृह पत्रिका में संगठन के स्थानीय कार्मिकों को हिंदी में सृजनात्मक लेखन के लिए प्रोत्साहित कर आलेख/रचनाएं तैयार कराई गई हैं। इनके लिए हम, अपने सभी सहभागी साथियों के सहयोग के प्रति आभारी हैं। हमें विश्वास है कि पूर्व की तरह यह अंक भी आपको रुचिकर एवं ज्ञानवर्धक प्रतीत होगा।

अपनी प्रतिक्रियाओं से हमें अवश्य अवगत कराते रहिए जिससे इसे श्रेष्ठ प्रकाशन बनाए रखने के प्रति हम सजग बने रहें।

सादर,

(बद्री विशाल सिंह चौहान)

## एनपीसीआईएल कैगा परियोजना-5व6 में कंक्रीट की प्रथम भराई के साथ निर्माण गतिविधि का शुभारंभ

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) ने आज सभी अपेक्षित वैधानिक और विनियामक मंजूरी प्राप्त करने के बाद 1 मार्च, 2026 को कैगा परियोजना-5व6 की कंक्रीट की पहली भराई (एफपीसी) में एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान हासिल किया। डॉ. अजीत कुमार मोहंती, अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग और सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री भुवन चंद्र पाठक, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनपीसीआईएल और एनपीसीआईएल के वरिष्ठ अधिकारीगण व अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

एफपीसी, नाभिकीय विद्युत परियोजना में एक महत्वपूर्ण क्षण है जो निर्माण की शुरुआत और पूर्व-परियोजना चरण से निर्माण चरण में इसके परिवर्तन को दर्शाता है। किसी परियोजना की प्रारम्भिक अवधि की गणना एफपीसी से की जाती है। कैगा परियोजना- 5व6 की पहली इकाई को एफपीसी से लगभग 60 महीनों में क्रांतिकता प्राप्त करना प्रत्याशित है। प्रथम बार कैगा परियोजना-5व6 परियोजना को द्रुत गति से परियोजना निष्पादन करने और इंटरफ़ेस मुद्दों को कम करने के लिए केवल कुछ मेगा ईपीसी पैकेजों को शामिल करने वाली एक नवीन रणनीति को अपनाने हुए लागू किया जा रहा है। कैगा परियोजना-5व6 अत्याधुनिक स्वदेशी 700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर हैं जिनमें उन्नत सुरक्षा विशेषताएं शामिल हैं

और दुनिया में सबसे सुरक्षित हैं। ऐसे तीन पीएचडब्ल्यूआर केएपीएस-3व4 तथा आरएपीपी-7 क्रमशः गुजरात और राजस्थान राज्यों में सफलतापूर्वक विद्युत उत्पादन कर रहे हैं। परियोजना के लिए घटकों और उपकरणों की आपूर्ति स्वदेशी उद्योग भागीदारों द्वारा की जाती है और भारतीय ठेकेदारों द्वारा कार्यों को निष्पादित किया जा रहा है, जो सरकार की आत्मनिर्भर पहलों के अनुरूप हैं।

वर्तमान में, कैगा साइट में 880 मेगावाट की कुल स्थापित क्षमता के साथ 220 मेगावाट की चार इकाइयों प्रचालनरत हैं। यूनिट-5व6 के पूरा होने पर, साइट पर कुल स्थापित क्षमता 2,280 मेगावाट तक पहुंच जाएगी।

इस परियोजना से स्थानीय लोगों के लिए पर्याप्त रोजगार और व्यावसायिक अवसर सृजन होने की आशा है जिससे इस क्षेत्र और निकटवर्ती क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने और आसपास के क्षेत्रों में बुनियादी संरचना में भी वृद्धि अपेक्षित है।

कैगा स्थल का विस्तार, देश के विकसित भारत और नेट जीरो कार्बन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए परमाणु सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रबंधन के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने की एनपीसीआईएल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

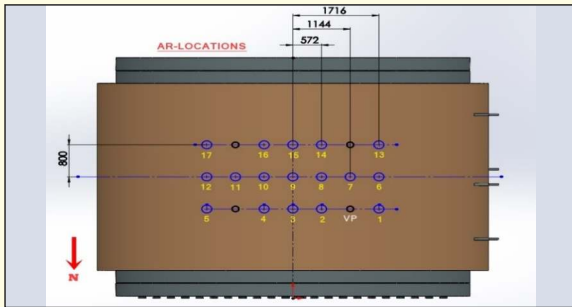




## आरएपीपी-7व8 में कोबाल्ट समायोजक छड़ से उच्च सक्रियता कोबाल्ट-60 आइसोटोप का उत्पादन

कोबाल्ट-60 एक महत्वपूर्ण रेडियोआइसोटोप है जिसके माध्यम से कई सामाजिक, चिकित्सीय और औद्योगिक अनुप्रयोग जैसे रेडियोथेरेपी, खाद्य विकिरण, औद्योगिक रेडियोग्राफी आदि किए जाते हैं। प्राकृतिक कोबाल्ट में व्यावहारिक रूप से केवल कोबाल्ट-59 आइसोटोप होता है और कोबाल्ट-60 आइसोटोप को परमाणु प्रतिक्रिया का उपयोग करके संश्लेषित किया जाता है।

वर्तमान में 220 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टर में कोबाल्ट-60 आइसोटोप का उत्पादन किया जा रहा है जहां प्राकृतिक कोबाल्ट अवशोषक छड़ों में इसे लोड किया जाता है। ये अवशोषक छड़ें सामान्य संयंत्र प्रचालन के दौरान रिएक्टर कोर के अंदर रहती हैं इसलिए कोबाल्ट-60 आइसोटोप उत्पन्न करने के लिए न्यूट्रॉन के साथ प्राकृतिक कोबाल्ट को विकिरणित किया जाता है। इसके बाद, अवशोषक छड़ों को हटा दिया जाता है और कोबाल्ट-60 आइसोटोप की आगे की प्रक्रिया के लिए इसे ब्रिट भेजा जाता है। कोबाल्ट-60 आइसोटोप की बढ़ती मांग के लिए अतिरिक्त उत्पादन हेतु मार्ग प्रशस्त करने की आवश्यकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च सक्रियता कोबाल्ट-60 आइसोटोप की भी मांग है। यह घरेलू रूप से उत्पादित कोबाल्ट-60 को वैश्विक बाजारों में निर्यात करने का अवसर खोलता है।

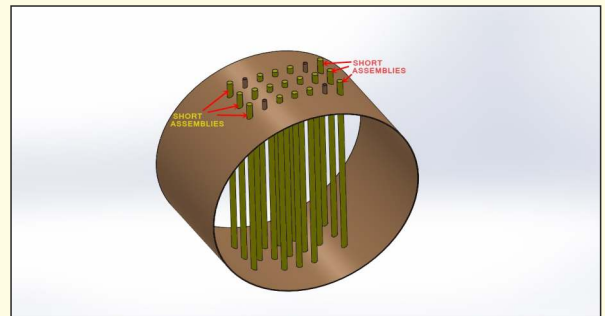


चित्र 1: 700 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टर के लिए समायोजक छड़ स्थान

कोबाल्ट-60 की संभावित आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 220 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टर के अतिरिक्त 700 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टर की समायोजक छड़ों में भी कोबाल्ट लोड करने की संकल्पना की गई थी।

समायोजक छड़ 700 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टर की प्रतिक्रियाशीलता, नियंत्रण प्रणाली का एक अभिन्न अंग है। समायोजक छड़ मैकेनिकल रिएक्टिविटी कंट्रोल डिवाइस हैं, जो गुरुत्वाकर्षण ड्रॉप सिद्धांत के आधार पर होते हैं और इन्हें इलेक्ट्रिकल एक्चुएटर्स का उपयोग करके कोर में डाला या वापस लिया जाता है। प्रत्येक समायोजक छड़ में एक ठोस न्यूट्रॉन अवशोषित सामग्री होती है, जो एक पतला ऊर्ध्वाधर असेंबली बनाने के लिए अपनी संरचनात्मक सामग्री के साथ इकट्ठी होती है। रिएक्टर न्यूट्रॉनिक आवश्यकताओं के अनुसार, शीर्ष हैच क्षेत्र से पूर्वनिर्धारित स्थानों पर इन समायोजक छड़ों को कोर के अंदर डाला जाता है। सामान्य रिएक्टर प्रचालन के दौरान सामान्य रूप से समायोजक छड़ को रिएक्टर कोर के अंदर 100% रखा जाता है। 700 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टर में 17 समायोजक छड़ स्थल हैं, जैसा कि चित्र 1 में दर्शाया गया है।

चूंकि समायोजक छड़ ज्यादातर रिएक्टर कोर के अंदर रहते हैं, इसलिए यह कोबाल्ट-60 आइसोटोप प्राप्त करने के लिए प्राकृतिक कोबाल्ट को विकिरणित करने के लिए एक सुविधाजनक माध्यम है। 700 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टर के लिए समायोजक छड़ को 220 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टर के विपरीत स्टेनलेस स्टील वायर रोप की सहायता से कोर के अंदर स्थापित किया जाता है।



तदनुसार, विकिरणित समायोजक छड़ को सुरक्षित रूप से हटाने, प्रहस्तन, परिवहन, भंडारण और विखंडन के लिए शील्डिंग प्लास्क और संबद्ध उपकरणों के विकास के साथ 700 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टर के लिए कोबाल्ट-समायोजक छड़ के एक नए डिजाइन का विकास किया गया था।

मौजूदा 220 मेगावाट कोबाल्ट अवशोषक छड़ों से प्राप्त अनुभव को ध्यान में रखते हुए आसान और कम समय में विघटन के लिए 700 मेगावाट कोबाल्ट समायोजक छड़ के डिजाइन को अनुकूलित किया गया था। कोबाल्ट समायोजक छड़ के निचले हिस्से को आसान और सूक्ष्म कण मुक्त विघटन प्रचालन को सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किया गया था। इसके तार रस्सी से विकिरणित कोबाल्ट-समायोजक छड़ असेंबली को आसानी से अलग करने के लिए एक विशेष व्यवस्था को डिजाइन, निर्मित और परीक्षण किया गया है। यह परिरक्षण फ्लैस्क में एक सरल अभिन्न उपकरण का उपयोग करके आसान विघटन को सक्षम करते हुए हमेशा सकारात्मक लॉकिंग सुनिश्चित करेगा।

कोबाल्ट - समायोजक छड़ को कोबाल्ट बंडलों के साथ न्यूट्रॉन अवशोषकों के रूप में डिजाइन किया गया है। कोबाल्ट बंडलों को एक विस्तारित फ्लेज वाले सेंट्रल सपोर्ट ट्यूब के निचले छोर से शीर्ष पर डाला जाता है। सेंट्रल सपोर्ट ट्यूब के निचले छोर पर एक संपीड़न स्प्रिंग, बॉटम नलिका और फ्लैन्ज्ड बॉटम नट प्रदान किया जाता है। यह व्यवस्था हर समय बंडलों को स्थिति में रखने और प्रचालन के दौरान किसी भी विभेदक तापीय विस्तार को समायोजित करने के लिए कोबाल्ट बंडलों के प्रारंभिक प्रीलोडिंग प्रदान करने में मदद करती है। नीचे की नट को एक अपरूपण स्क्रू की मदद से नीचे की नलिका के साथ सकारात्मक लॉकिंग प्रदान की जाती है। समायोजक छड़ की यह व्यवस्था किसी भी कटिंग ऑपरेशन या रेडियोधर्मी कणों के उत्पादन के बिना आसान विघटन की सुविधा प्रदान करती है।

विकिरणित कोबाल्ट समायोजक छड़ एक उच्च तीव्रता गामा विकिरण स्रोत है और इस प्रकार कोर से सुरक्षित रूप से हटाने, एसएफएसबी पूल में परिवहन, पूल के अंदर प्रहस्तन, भंडारण और विघटन और विघटित कोबाल्ट बंडलों के सुरक्षित भंडारण की आवश्यकता होती है। इन सभी गतिविधियों के लिए एक परिरक्षण फ्लास्क और विभिन्न विशेष उपकरण विकसित किए गए हैं। परिरक्षण फ्लास्क और सभी विशेष उपकरण का विकास, निर्माण, परीक्षण और प्रदर्शन किया गया है।

कोबाल्ट - समायोजक छड़ के लिए विस्तृत विनिर्माण ड्राइंग एनपीसीआईएल द्वारा जारी किए गए हैं और कोबाल्ट - समायोजक छड़ एनएफसी, हैदराबाद में निर्मित किए गए हैं। 700 मेगावाट के लिए 10 कोबाल्ट समायोजक छड़ का पहला लॉट आरएपीपी-7 में स्थापित किया गया था। आरएपीपी-8 के लिए, कोबाल्ट समायोजक छड़ के 10 नंबर का दूसरा लॉट स्थापित किया गया है।

आरएपीपी-7व8 से कोबाल्ट-60 की उच्चतर सक्रियता 220 मेगावाट रिएक्टरों से प्राप्त कोबाल्ट-60 से एक प्रमुख वृद्धि होगी। उच्च सक्रियता कोबाल्ट आइसोटोप राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मांग को पूरा करने में मदद करेगा।

700 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टर के लिए कोबाल्ट समायोजक छड़ के नए डिजाइन से इसके आसान प्रहस्तन, डिस्मेंटलिंग और भंडारण प्रचालनों के लिए कई विशेष रूप से डिजाइन किए गए उपकरणों के साथ सरल तरीके से सुरक्षित प्रचालनों को सक्षम बनाया जाएगा। आरएपीपी-7व8 तथा अन्य आगामी 700 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टर सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल तरीके से घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में आपूर्ति के लिए उच्च सक्रियता कोबाल्ट-60 आइसोटोप का उत्पादन कर सकते हैं।

नीरज गुप्ता

अपर मुख्य अभियंता (टीडी-आरटीएसएंडआई) एवं  
प्रदीप सिंह रावत  
उप मुख्य अभियंता (टीडी-1), मुख्यालय

“आप जिस तरह बोलते हैं,  
बातचीत करते हैं, उसी तरह  
लिखा भी कीजिए। भाषा  
बनावटी नहीं होनी चाहिए”

महावीर प्रसाद द्विवेदी



## रावतभाटा राजस्थान साइट की उपलब्धियां

### इकाई-1व2:

रावतभाटा राजस्थान साइट की सबसे पुरानी इकाई-2 ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कुल 1459 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया। उल्लेखनीय है कि नवंबर, 1980 में पहले सिंक्रनाइजेशन के आरंभ होने से लेकर अब तक इस इकाई ने कुल 49904 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन किया है। यह इकाई 31 मार्च, 2026 को लगातार 5596 दिन अग्नि दुर्घटना मुक्त एवं 686 दिन औद्योगिक दुर्घटना मुक्त भी रही है।

रापबिघ-2 को उसके प्रदर्शन के आधार पर वानो-सहायता श्रेणी से वानो केंद्रित सहायता श्रेणी में अपग्रेड किया गया।

वर्ष 2025-26 के दौरान रापबिघ-2 का वानो प्रदर्शन संकेतक सूचकांक (वानो-पीII) 45 से बढ़कर 69.13 हो गया है। स्टेशन में टीजी ओवर स्पीड ट्रिप रिंग के लिए हाउस टेस्ट और कैलिब्रेशन सुविधा विकसित की गई है, जिससे स्टेशन के आउटेज समय और जेनरेशन लॉस को बचाया जा सका है। स्टेशन ने स्थानीय सेवा प्रदाता के माध्यम से इकाई-2 के टरबाइन एलपी-2 रोटार को इकाई-1 से प्रतिस्थापित कर दिया है। इससे स्थानीय सेवा प्रदाताओं को इस तरह के महत्वपूर्ण/ जटिल कार्य के निष्पादन और आत्म निर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन मिला है और इससे लगभग 10 करोड़ का वित्तीय लाभ भी हुआ है। स्टेशन ने एनपीसीआईएल में पहली बार ऑन-पावर के दौरान आरएपीएस-2 एचपी हीटर-05 इन-सीट ट्यूब शीट, ट्यूब बंडल और बेफल्स को प्रतिस्थापित किया है, जिससे प्रति माह लगभग 0.36 करोड़ का राजस्व लाभ प्राप्त हुआ।

16 से 28 फरवरी, 2026 तक उत्साह और जोश के साथ स्वच्छ भारत पखवाड़ा, 2026 का आयोजन किया गया। 3 मार्च, 2026 को 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया गया जिसका मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व से कर्मचारियों को जागरूक करना था।

### इकाई-3व4:

आरएपीएस-3व4 ने 90% के स्टेशन क्षमता गुणक और 93% के स्टेशन उपलब्धता गुणक के साथ 3785 मिलियन यूनिट के लक्ष्य की तुलना में 3456 मिलियन यूनिट का उत्पादन किया है।

रापबिघ-3 ने 90% क्षमता गुणक और 92% का उपलब्धता गुणक प्राप्त किया। रापबिघ-4 ने 95% का उपलब्धता गुणक एवं 89% का क्षमता गुणक प्राप्त किया। भारी पानी संयंत्र (कोटा) को कुल 1.05 लाख टन लाइव

स्टीम की आपूर्ति की गई जो 111.97 मिलियन यूनिट विद्युत ऊर्जा के बराबर है। 31/03/2026 तक निरंतर दुर्घटना-मुक्त दिन और अग्नि घटना मुक्त दिनों की संख्या क्रमशः 2826 और 3600 है।

इकाई में रापबिघ-3व4 कॉर्पोरेट पीयर रिव्यू - फॉलो-अप रिव्यू (सीपीआर-एफआर) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। रापबिघ-3व4 में वानो उपकरण विश्वसनीयता टीम का दौरा सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

### इकाई-5व6:

माह अक्टूबर-2025 से मार्च-2026 तक रापबिघ इकाई-5व6 क्रमानुसार 1016.235 मिलियन यूनिट एवं 818.492 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया। बिजलीघर के लक्ष्य 1586.40 मिलियन यूनिट के समक्ष विद्युत का कुल उत्पादन 1834.727 मिलियन यूनिट रहा, जो कि 1586.40 के लक्ष्य से अधिक है।

अक्टूबर-2025 से मार्च-2026 तक, रापबिघ इकाई-5व6 का उपलब्धता गुणक क्रमशः 100% एवं 82% रहा (रापबिघ इकाई-6 का नवंबर में एक पीएसडी एवं 30 दिन 5 घंटे का योजनाबद्ध द्विवार्षिक शटडाउन)। रापबिघ-5व6 ने अक्टूबर-2025 से मार्च-2026 के दौरान पूर्ण उपलब्धता गुणक एवं 85% क्षमता गुणक हासिल किया। रापबिघ इकाई-5 ने मार्च-2026 माह के अंतिम दिन तक सुरक्षित एवं निरंतर प्रचालन को बनाए रखते हुए 270 दिन पूर्ण किए हैं।

इस अवधि के दौरान रापबिघ-5व6 पर संयंत्रीय आपातकाल अभ्यास, द्विवार्षिक शटडाउन सी.पी.आर., 'स्वच्छता ही सेवा माह', राष्ट्रीय संरक्षा दिवस समारोह-2026 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। 14 और 15 नवंबर-2025 को विभागीय और ठेकेदार कर्मचारियों द्वारा कर्मचारियों के लिए 'रासायनिक सुरक्षा, सीमित स्थान में काम करने, सामग्री हैंडलिंग कार्य और परमाणु सुरक्षा संस्कृति पर 'प्रशिक्षण सह सुरक्षा संगोष्ठी' का आयोजन किया गया।

### इकाई-7व8

इकाई-7 रिक्टर 90% पूर्ण शक्ति के साथ प्रचालनरत है। इकाई-8 में आरबी, आरबी में सभी सिविल कार्य पूरे कर लिए गए एवं सभी उपकरणों को स्थापित किया गया। कैलेंड्रिया वॉल्ट लाइनर के पेसिवेशन का कार्य पूर्ण हो गया। एसएफएसबी एवं टीएलबी का वाटर फिल टेस्ट पूरा कर लिया गया है। कैलेंड्रिया वॉल्ट को बंद करने का कार्य भी पूर्ण किया गया।

05 जनवरी, 2026 को पीएचटी हॉट कंडीशनिंग का कार्य पूर्ण किया गया। साइट पर सभी संशोधित ईंधन लोकेटर प्राप्त कर लिए गए। कंटेनमेंट स्प्रे सिस्टम नोजल की स्थापना का कार्य एवं टीजी कंट्रोल फ्ल्यूइड सिस्टम फ्लशिंग पूरा किया गया। सभी कंडेनसर वैक्यूम पंपों का लोड परीक्षण पूर्ण किया गया एवं टीजी सरेखण कार्य प्रगति पर है। एलपी टर्बाइन 1, 2 और 3 का सरेखण कार्य तथा लिप सील वेल्डिंग सहित आसवन कॉलम 1 और 2 का निर्माण पूर्ण किया गया है। डीसी-1 का वैक्यूम परीक्षण पूर्ण किया गया और डीसी-2 का वैक्यूम का परीक्षण कार्य प्रगति पर है। यूजीपी पीएलसी पैनलों का पूर्व कमीशनिंग कार्य एवं प्रारंभिक ईंधन लोडिंग की तैयारी प्रगति पर है। साउथ एफएम वॉल्ट में सील प्लग को हटाना प्रारंभ कर दिया गया है। नॉर्थ एफएम वॉल्ट में सील प्लग हटाने के लिए प्लेटफॉर्म निर्माण कार्य प्रगति पर है।



रापविप-8 कैलेंड्रिया वॉल्ट लाइनर के पेसिवेशन का कार्य पूरा हो गया एवं कैलेंड्रिया वॉल्ट बंद करने के लिए आगे के कार्य प्रगति पर हैं। एसएफएसबी का जल भराव परीक्षण पूर्ण कर लिया गया एवं टीएलबी का जल भराव परीक्षण का कार्य जारी है। टीजी ऑयल सिस्टम फ्लशिंग का कार्य पूरा किया गया और अंतिम टीजी सरेखण का कार्य जारी है। टीजी नियंत्रण फ्ल्यूइड सिस्टम फ्लशिंग का कार्य प्रगति पर है। आसवन कॉलम (डीसी-1 और 2) का निर्माण कार्य जारी है। पीएचटी हॉट कंडीशनिंग का कार्य

प्रारंभ किया गया। सभी कंडेनसर वैक्यूम पंपों का लोड परीक्षण पूरा किया गया। लिप सील वेल्डिंग सहित आसवन कॉलम 1 और 2 का निर्माण पूरा कर लिया गया। यूजीपी पीएलसी पैनल की प्री-कमीशनिंग का कार्य प्रगति पर है। कैलेंड्रिया वॉल्ट पूर्ण करने की गतिविधियां जारी हैं। पीएचटी हॉट कंडीशनिंग पूरी की गई सभी 04 कंडेनसर वैक्यूम पंपों का परीक्षण पूरा किया गया टीजी नियंत्रण फ्ल्यूइड सिस्टम फ्लशिंग का कार्य पूर्ण किया गया। कैलेंड्रिया वॉल्ट को बंद किया गया। टीजी सरेखण कार्य प्रगति पर है। यूजीपी पीएलसी पैनल प्री-कमीशनिंग का कार्य प्रगति पर है। सभी संशोधित ईंधन लोकेटर प्राप्त किए गए। कंटेनमेंट स्प्रे सिस्टम नोजल की स्थापना का कार्य पूर्ण किया गया। नॉर्थ एफएमवी से स्कैफोल्डिंग हटाने का कार्य प्रगति पर है। टीजी सरेखण कार्य प्रगति पर है। यूजीपी पीएलसी पैनल प्री-कमीशनिंग का कार्य प्रगति पर है।



उल्लेखनीय है कि सतत रूप से विद्युत उत्पादन कर रावतभाटा राजस्थान साइट की सभी इकाइयां उपलब्धियों के कीर्तिमान स्थापित कर यथासंभव देश के विकास एवं प्रगति में अपना योगदान दे रही हैं।

संकलन  
राजभाषा अनुभाग,  
रावतभाटा राजस्थान साइट



## राजभाषा गतिविधियाँ - मुख्यालय

### हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन

एनपीसीआईएल, मुख्यालय में 12 जनवरी, 2026 को विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एनपीसीआईएल में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक (मानव संसाधन) श्री पी. ए. सुरेशबाबु, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) श्री सुधीर ब. शेलके, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री मनीष नाथ वर्मा उपस्थित रहे। श्री मनीष नाथ वर्मा ने इस अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एनपीसीआईएल के संदेश का वाचन किया। संगोष्ठी में श्री अशोक कुमावत, अपर महाप्रबंधक (सं. एवं सा.प्र.), श्री संजीव कुमार सिंह, अपर मुख्य अभियंता (नाभिकीय सुरक्षा) और श्री सौमित्र त्रिवेदी, उप मुख्य अभियंता (प्रचालन) ने क्रमशः स्वास्थ्य; नाभिकीय सुरक्षा और शांति अधिनियम, 2025 जैसे प्रासंगिक विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। वैज्ञानिक संगोष्ठी में कुल 85 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। श्रोताओं ने व्याख्यानों के माध्यम से प्रस्तुत की गई जानकारी की खूब सराहना की।



**कंठस्थ - अनुवाद सारथी के अनुप्रयोग हेतु "नवोन्मेषी** पिछले 56 वर्षों से मुंबई में कार्यरत आशीर्वाद संस्था द्वारा 24 फरवरी, 2026 को राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रयासों के तहत "कंठस्थ - अनुवाद सारथी" सॉफ्टवेयर इंटरनेट सपोर्ट रहित अनुकूलित वर्जन के क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2025 हेतु एनपीसीआईएल को "नवोन्मेषी आशीर्वाद पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

### गृहपत्रिका 'ऊर्जस्वी' का विमोचन

26 फरवरी, 2026 को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 154वीं बैठक के अवसर पर मुख्यालय, मुंबई से प्रकाशित होने वाली गृहपत्रिका 'ऊर्जस्वी' के 29वें अंक का विमोचन श्री भुवन चंद्र पाठक, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। पत्रिका के विमोचन कार्यक्रम में श्री पी.ए. सुरेश बाबु, निदेशक (मानव संसाधन) तथा समिति के सदस्यगण भी उपस्थित रहे।

### हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन

संघ की राजभाषा नीति के अनुसार एनपीसीआईएल, मुख्यालय, मुंबई द्वारा हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है जिनका उद्देश्य कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार, हिंदी में कार्यालयीन कार्य करने में आ रही परेशानी व झिझक को दूर करना होता है। इन कार्यशालाओं में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त अधिकारियों और कर्मचारियों का नामांकन किया जाता है।

पत्रिका की प्रकाशन अवधि के दौरान मुख्यालय में कुल **तेरह (13)** हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन क्रमशः **19 नवंबर, 2025**



**20 नवंबर, 2025, 21 नवंबर, 2025, 17 दिसंबर, 2025, 23 दिसंबर, 2025, 20 जनवरी, 2026, 28 जनवरी, 2026, 24 फरवरी, 2026, 25 फरवरी, 2026, 26 फरवरी, 2026, 14 मार्च, 2026, 25 मार्च, 2026**



और 26 मार्च, 2026 को किया गया जिसमें कुल 573 अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। उक्त कार्यशालाओं में श्री बट्टी विशाल सिंह चौहान, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) श्री कमलेश कुमार शुक्ला, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक, श्री संजय शर्मा, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक, श्री प्रिंस प्रोवर, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक और श्रीमती शिल्पा नार्वेकर, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक ने राजभाषा नीति, यूनिकोड, कंठस्थ

सॉफ्टवेयर और प्रोत्साहन योजना विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किए।

अंत में सभी प्रतिभागियों से प्रतिक्रिया-सत्र के दौरान प्रतिक्रियाएं ली गईं। प्रतिक्रियाओं में प्रतिभागियों ने कार्यशाला से संबंधित अपने सुझाव दिए जो अत्यंत सकारात्मक और उत्साहवर्धक थे।



कंठस्थ - अनुवाद सारथी" सॉफ्टवेयर के लिए एनपीसीआईएल को वर्ष 2025 हेतु "नवोन्मेषी आशीर्वाद पुरस्कार



## राजभाषा गतिविधियाँ - रावतभाटा राजस्थान साइट

### हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन:

आर आर साइट द्वारा 19 एवं 20 दिसंबर, 2025 को एक-दिवसीय दो हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिनमें क्रमशः 27 अधिकारियों एवं 38 कर्मचारियों ने भाग लिया। इन कार्यशालाओं में कुल 12 घंटे का प्रशिक्षण दिया गया।



### अखिल भारतीय हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन:

दिनांक 07.03.2026 को रावतभाटा राजस्थान साइट पर अखिल भारतीय हिंदी कवि सम्मलेन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में श्री विनीत चौहान, डॉ. रूचि चतुर्वेदी, सुश्री मुमताज नसीम, श्री सुनील व्यास, श्री पी.के. मस्त, श्री मुरलीधर गौड़, श्री राजेन्द्र पंवार एवं श्री मोहन पुरी ने कविता पाठ किया।

### हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन:

दिनांक 02.02.2026 को रावतभाटा राजस्थान साइट पर एक दिवसीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस वैज्ञानिक संगोष्ठी में साइट के कुल 42 अधिकारियों /कर्मचारियों ने भाग लिया। संगोष्ठी में जलवायु परिवर्तन में नाभिकीय ऊर्जा की भूमिका, रावतभाटा में परमाणु ऊर्जा विभाग की विभिन्न इकाइयां, संयंत्र प्रचालन में मानव संसाधन / वित्त एवं लेखा / संविदा एवं सामग्री प्रबंधन की भूमिका, विकसित भारत-2047 रोडमैप एवं चुनौतियां, जीवनशैली में सुधार से उत्पादकता में सुधार, परमाणु ऊर्जा विभाग के ऊर्जा के अतिरिक्त अनुप्रयोग (स्वास्थ्य/ कृषि/उद्योग इत्यादि), भारत में प्रचालनरत विभिन्न प्रकार के नाभिकीय संयंत्र जैसे प्रासंगिक विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए गए।



## राजभाषा गतिविधियाँ - नरौरा परमाणु विद्युत केंद्र

**अखिल भारतीय हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन**  
नरौरा परमाणु विद्युत केंद्र में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए एनएपीएस टाउनशिप स्थित सामुदायिक केंद्र में 17 नवंबर, 2025 को अखिल भारतीय हिंदी कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इस कवि सम्मेलन का शुभारंभ एनपीसीआईएल मुख्यालय से पधारे मुख्य अतिथि निदेशक (प्रचालन) श्री शांतनु दत्तात्रेय पारसवार तथा एनएपीएस के



केंद्र निदेशक श्री संजय केशवराव कावरे एवं मुख्य अधीक्षक श्री हरि शंकर सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस कवि सम्मेलन में देश के ख्याति प्राप्त कवियों यथा श्री सुनील जोगी (हास्य), श्री चंदन राय (गीत), श्री अर्जुन सिसौदिया (वीर रस) तथा सुश्री मुमताज नसीम (श्रृंगार व गीत) ने काव्य पाठ किया। एनएपीएस कर्मचारियों एवं परिजनों ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।



## हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन

नरौरा परमाणु विद्युत केंद्र में सरकारी कार्य में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने एवं हिंदी में कार्य करते समय कर्मचारियों को आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के लिए दिनांक 06.01.2026, दिनांक 28.01.2026 एवं दिनांक 27.02.2026 को एक दिवसीय 03 हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गईं इन हिंदी कार्यशालाओं में कुल 66 अधिकारियों/कर्मचारियों ने



भाग लिया। इन हिंदी कार्यशालाओं में संघ की राजभाषा नीति, राजभाषा अधिनियम, 1963 राजभाषा नियम, 1976 एवं राजभाषा संकल्प-1968 के मुख्य प्रावधानों तथा मानक हिंदी वर्तनी का प्रयोग, पारिभाषिक शब्दावली तथा यूनिकोड के माध्यम से कम्प्यूटर पर हिंदी टाइपिंग के बारे में जानकारी दी गई।





## हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन :-

नरौरा परमाणु विद्युत केंद्र में वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्र में भी राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 26 फरवरी, 2026 को हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी आयोजित की गई जिसका उदघाटन श्री प्रबोध कुमार, अधीक्षक-गुणवत्ता आश्वासन एवं सदस्य, एनएपीएस राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने किया। हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी में एनएपीएस के कार्मिकों यथा सर्वश्री कामाख्या प्रसाद, फोरमैन.डी, मो. इस्माइल खान, एसए/जी, श्री संजय कुमार, फोरमैन-डी, श्री अमित कुमार शर्मा, एसए/एफ, श्री संजीव कुमार, एसओ/ई श्री शिव कुमार शर्मा, एसए/एफ, श्री अजय कुमार गुप्ता, फोरमैन/डी, श्री राजकिशोर तोमर, तकनीशियन/सी, श्री वीरेंद्र सिंह गुर्जर, नर्स-ए ने निम्नलिखित तकनीकी विषयों पर अपने-अपने आलेख पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से हिंदी भाषा में प्रस्तुत किए:-

- स्मॉल मोड्यूलर रिएक्टर का विकास एवं भारत के संदर्भ में उनकी व्यवहारिकता।
- नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों में सुरक्षा एवं संरक्षा की नवीनतम तकनीकें।
- फ्यूजन एनर्जी को व्यावहारिक बनाने के लिये विश्वभर में होने वाली खोज के प्रयास।
- नवीकरण ऊर्जा के विभिन्न स्रोत।
- चिकित्सा और कृषि के क्षेत्र में नाभिकीय प्रौद्योगिकियों का योगदान।
- भारत में नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भूमिका एवं महत्व।



- भारत में ई.व्हिकल को किफायती, पर्यावरण हितैषी और भरोसेमंद विकल्प के लिए प्रयास और सुझाव।

इस हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी में सत्राध्यक्ष की भूमिका श्री लक्ष्मीकान्त गुप्ता, वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी तथा श्री विकास पाठक, केंद्र रसायनज्ञ ने निभाई।

## विश्व हिंदी दिवस का आयोजन :-

नरौरा परमाणु विद्युत केंद्र में 12 जनवरी, 2024 को विश्व हिंदी दिवस मनाया गया।

इस समारोह में विद्युत केंद्र के सभी अधीक्षकगण, समूह अध्यक्षों एवं अनुभागाध्यक्षों के साथ ही वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान आयोजित की गई हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि ने पुरस्कार प्रदान किए।



## राजभाषा वार्ता का आयोजन :-

विद्युत केंद्र में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु कार्मिकों को प्रोत्साहित करने के लिए "राजभाषा कार्यान्वयन के विविध आयाम" विषय पर राजभाषा वार्ता का आयोजन दिनांक 28.03.2026 को किया गया। वार्ताकार के रूप में श्री आर.एस. तिवारी, सलाहकार (राजभाषा एवं प्रशिक्षण), एमएसएमई टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट सेंटर, आगरा को आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम में कार्मिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

## राजभाषा गतिविधियाँ - गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना

### विश्व हिंदी दिवस समारोह

गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना में अधिकारियों/कर्मचारियों के बीच राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता को सुनिश्चित करने के क्रम में विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर 17 जनवरी, 2026 को एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एनपीसीआईएल मुख्यालय, मुंबई से ई-मेल के माध्यम से प्राप्त अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनपीसीआईएल महोदय द्वारा जारी संदेश का वाचन परियोजना निदेशक, गोहअविप द्वारा कार्यक्रम में श्रोताओं के रूप में उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों के समक्ष किया गया एवं सभी से अपना कार्यालयीन कामकाज अधिकाधिक रूप से 'राजभाषा' हिंदी में करने की अपील की गई। तदुपरांत, अतिथि संकाय सदस्य श्रीमती गीतू असिस्टेंट प्रोफेसर, 'गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय', हिसार ने हिंदी से संबंधित साहित्यिक तथा श्री राजेश कुमार गुप्ता, मुख्य अभियंता (गु.आ.), गोहअविप के मार्गदर्शन में श्री राजेश चक्रवर्ती, वैज्ञानिक अधिकारी/एफ, गोहअविप द्वारा 'परमाणु ऊर्जा' से संबंधित विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।



कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सत्यजीत रथ, परियोजना निदेशक, गोहअविप रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री मोहम्मद अजीम, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक, गोहअविप ने किया।

### हिंदी कार्यशाला

गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को अनुभागीय कामकाज अधिकाधिक रूप से राजभाषा हिंदी में निष्पादित करने के उद्देश्य से दिनांक 25.11.2025 और दिनांक 26.02.2026 को एक एकदिवसीय 'हिंदी कार्यशाला' का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया जिसमें 25 अधिकारियों एवं 08 कर्मचारियों ने भाग लिया। उक्त नामित कार्मिकों को राजभाषा से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों, मानक वर्तनी एवं कार्यालयीन कामकाज के दौरान नोटिंग/ड्राफ्टिंग आदि में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग करने के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

हिंदी कार्यशाला के आयोजन के दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री संजीव कुमार सिंगला, मुख्य निर्माण अभियंता, गोहअविप रहे। हिंदी कार्यशाला के आयोजन में अतिथि संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित श्री संजीव कुमार, प्रबंधक (राजभाषा), यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, हिसार तथा स्थानीय संकाय सदस्य के रूप में शैलेन्द्र कुमार मीणा, प्रबंधक (राजभाषा), गोहअविप एवं श्री मोहम्मद अजीम, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक, गोहअविप उपस्थित रहे।



### राष्ट्रीय हिंदी कवि सम्मलेन का आयोजन

गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना पर कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढ़ाने के उद्देश्य से दिनांक 28.03.2026 को गो.ह.अ.वि.प. की अग्रोहा स्थित टाउनशिप 'अनुग्रह' में एक कवि सम्मलेन का आयोजन किया गया।

कवि सम्मलेन में काव्य पाठ करने के लिए विभिन्न विधाओं में पारंगत राष्ट्रीय स्तर के कुल 04 विख्यात कवियों एवं 02 कवयित्रियों को आमंत्रित किया गया था।



## राजभाषा मन्निधिमाँ, गोहरखपुर हरिवाणा अणु विद्युत परियोजना

आमंत्रित कवि/कवयित्रियों में श्री परमानंद दाधीच, श्री हेमंत पांडेय, श्री सुरेश अलबेला, श्री दीपक पारीख, श्रीमती मनीषा सक्सेना तथा श्रीमती राधिका मित्तल ने कवि सम्मलेन कार्यक्रम के दौरान काव्य प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सत्यजीत रथ, परियोजना निदेशक, गोहअविप तथा सह-मुख्य अतिथि श्री संजीव कुमार सिंगला, मुख्य निर्माण अभियंता, गोहअविप थे।

मुख्य अतिथि महोदय श्री सत्यजीत रथ, परियोजना निदेशक, गोहअविप एवं आमंत्रित कवि/कवयित्रियों के साथ वरिष्ठ अधिकारियों ने मां सरस्वती जी को पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत

की। काव्य पाठ के लिए आमंत्रित कवियों ने विभिन्न रस की कविताओं यथा हास्य रस, वीर रस, श्रृंगार रस, आदि पर कविता पाठ किया तथा श्रोताओं को अपने कविता पाठ से मंत्रमुग्ध कर दिया। कवियों ने श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। श्रोताओं में गोहअविप में कार्यरत कार्मिकों एवं उनके परिवारजनों सहित लगभग 400 लोग मौजूद थे।

कार्यक्रम के अंत में श्री शैलेन्द्र कुमार मीणा, प्रबंधक (राजभाषा) ने कवि सम्मलेन में पधारे मुख्य अतिथि महोदय एवं सह-अतिथि महोदय का धन्यवाद किया। उन्होंने सभी कवियों एवं अधिकारियों तथा कर्मचारियों का भी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया।



## संविधान की अष्टम अनुसूची में अधिसूचित भारतीय भाषाएं:

असमिया	कश्मीरी	पंजाबी	संस्कृत	नेपाली	मैथिली
उड़िया	गुजराती	बांग्ला	हिंदी	मणिपुरी	संथाली
उर्दू	तमिल	मराठी	सिंधी	बोड़ो	
कन्नड़	तेलुगू	मलयालम	कोंकणी	डोगरी	

## राजभाषा गतिविधियाँ - तारापुर महाराष्ट्र स्थल

तापबिध-1व2 को वर्ष 2020 में नवीकरण और जीवन-विस्तार के लिए परियोजना मोड में शटडाउन पर रखा गया था जिसे उन्नत संरक्षा प्रणाली, आधुनिक उपकरणों के साथ पुनर्नवीकरण तथा अनुरक्षण के उपरांत 29 जनवरी, 2026 को तापबिध इकाई-1 को राष्ट्रीय ग्रिड से सिंक्रोनाइज किया गया है और इसने अपनी रेटेड पावर हासिल कर ली है और तापबिध इकाई-2 में भी रिपेक्टर रिसर्कुलेशन लूप और अन्य क्लास-1 पाइपिंग प्रतिस्थापन और दीर्घकालीन प्रचालन हेतु निरीक्षण कार्य पूरा हो चुका है। बहुत जल्द यह इकाई भी राष्ट्र की सेवा में समर्पित हो जाएगी। हाल ही में तापबिध इकाई-3 ने 568 दिन के अनवरत प्रचालन का रिकॉर्ड दर्ज किया। यह भारत की नाभिकीय ऊर्जा यात्रा में एक अहम पल है जो एनपीसीआईएल की संरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। देश के लिए स्वच्छ ऊर्जा, इंजीनियरिंग लचीलापन और दीर्घकालीन ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में एक

अहम कदम है। तारापुर परमाणु बिजलीघर संरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए तकनीकी एवं औद्योगिक कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के साथ-साथ राजभाषा के क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। तारापुर परमाणु बिजलीघर को वर्ष-2025 में भारत सरकार की राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, ठाणे की ओर से उपक्रम श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार स्वरूप प्रमाण-पत्र एवं शील्ड प्राप्त हुई है। यह पुरस्कार तारापुर महाराष्ट्र स्थल में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3 की उप धारा 3 के पूर्णतः अनुपालन, पत्राचार के लिए राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य हासिल करने, हिंदी में प्राप्त पत्रों के शतप्रतिशत हिंदी या द्विभाषी में उत्तर देने तथा फाइलों में टिप्पणियां हिंदी में लिखने हेतु प्रदान किया गया है।





## हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन

तारापुर महाराष्ट्र स्थल में कार्यरत कार्मिकों के बीच राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार करने, उनमें हिंदी के प्रयोग के प्रति रुचि बढ़ाने तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषयों को हिंदी माध्यम से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से तारापुर महाराष्ट्र स्थल में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर 12 जनवरी, 2026 को एक पूर्ण दिवसीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसके उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि श्री एम. सूर्य प्रसाद, केंद्र निदेशक, तापबिद्य 3व4 एवं श्री अशोक एस. शिंदे, प्रमुख (मासं), तामस्थ ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदी दिवस का आयोजन हिंदी के विकास के लिए अप्रतिम वरदान है। विश्व स्तर पर हिंदी के बढ़ते प्रयोग के फलस्वरूप संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी अपने प्रमुख कार्यों में हिंदी के प्रयोग को स्थान दिया है।



## हिंदी कार्यशाला का आयोजन

राजभाषा कार्यान्वयन के एक भाग के रूप में सेवारत कर्मचारियों को कार्यालयीन कार्य में हिंदी के प्रयोग संबंधी झिझक को दूर करने के उद्देश्य से अक्टूबर, 2025 से मार्च, 2026 की छमाही के दौरान तारापुर महाराष्ट्र स्थल में कुल 06 हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें राजभाषा नीति, हिंदी वर्तनी एवं देवनागरी लिपि, हिंदी प्रोत्साहन योजनाएँ व एनपीसीआईएल कंठस्थ पर अभ्यास, कंप्यूटर पर हिंदी का प्रयोग प्रशिक्षण (यूनिकोड प्रयोग, ईमेल आदि भेजना) पर व्याख्यान प्रस्तुत किए गए और दोपहर के सत्र में इन विषयों पर व्यावहारिक लेखन अभ्यास करवाया गया जिसमें तृतीय तिमाही में 92 और चतुर्थ तिमाही के दौरान 88 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया।



## राजभाषा सम्मान समारोह

तारापुर महाराष्ट्र स्थल पर राजभाषा अनुभाग द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं प्रभावी कार्यान्वयन हेतु हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों, हिंदी प्रतियोगिताओं के निर्णायकगण तथा गृहपत्रिका अणुभारती हेतु लेख प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित करने के लिए 19 फरवरी, 2026 को राजभाषा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में स्थल निदेशक महोदय ने सभी को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलाई। श्रीमती डिलायला जे. परेरा, उप महाप्रबंधक (मा.सं.) ने सभी का स्वागत किया और श्री सुधीर कुमार पोखरना, प्रबंधक (राजभाषा) ने भी सभी का स्वागत करते हुए वर्ष के दौरान आयोजित गतिविधियों एवं राजभाषा उपलब्धियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान ही एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें विजेताओं को मौके पर ही पुरस्कार प्रदान किए गए।



कार्यक्रम के दौरान हिंदी प्रतियोगिताओं के 75 विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एवं स्थल निदेशक, तामस्थ श्री अजय कुमार भोले ने तामस्थ में राजभाषा हिंदी की स्थिति के प्रति खुशी जाहिर की तथा सभी कार्मिकों को अपना अधिकतम कार्यालयीन कार्य राजभाषा हिंदी में करने की अपील की।

## राजभाषा गतिविधियाँ - काकरापार गुजरात स्थल

### विश्व हिंदी दिवस व तकनीकी परिचर्चा का आयोजन

विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 24/12/2025 को एक तकनीकी परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का विषय था-"विकसित भारत बनाने में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं ऊर्जा-नवाचार"। इस परिचर्चा में मुख्य वक्ता के रूप में अंतरिक्ष विभाग (इसरो) के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी श्री दिनेश अग्रवाल उपस्थित रहे। उन्होंने हिंदी माध्यम से भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियों, तकनीकी नवाचारों तथा ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे विकास पर प्रकाश डाला।



इसके बाद दिनांक 12/01/2026 को विश्व हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिंदी के महत्व, उसके वैश्विक विस्तार तथा प्रशासनिक एवं तकनीकी क्षेत्रों में उसके बढ़ते उपयोग पर विचार-विमर्श किया गया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के संदेश का वाचन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से कर्मचारियों को यह संदेश दिया गया कि हिंदी का प्रयोग केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय पहचान एवं गौरव का प्रतीक है।

### अखिल भारतीय हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन



दिनांक 09/01/2026 को टाउनशिप के कम्युनिटी हॉल में अखिल भारतीय हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में देश के विभिन्न भागों से चार प्रतिष्ठित कवियों को आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम ने हिंदी साहित्य की समृद्ध परंपरा को प्रस्तुत किया तथा श्रोताओं को काव्य के विविध रसों यथा श्रृंगार, वीर, हास्य एवं करुण का अनुभव कराया। कवि सम्मेलन ने न केवल मनोरंजन प्रदान किया, बल्कि हिंदी साहित्य के प्रति लोगों की रुचि को भी जागृत किया। यह कार्यक्रम भाषा के सांस्कृतिक पक्ष को सुदृढ़ करने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुआ। श्रोताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने यह दर्शाया कि हिंदी कविता आज भी जनमानस में गहरी पैठ रखती है।

### हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 24/03/2026 को हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें कुल 38 कर्मचारियों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य हिंदी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषयों पर चर्चा को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर 10 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न विषयों यथा "शुद्ध शून्य लक्ष्य प्राप्त करने में परमाणु ऊर्जा की भूमिका", "संगठन के विकास में शिक्षा और प्रशिक्षण का महत्व", "संगठन में मानव संसाधन का महत्व", "पर्यावरण संरक्षण के लिए अपशिष्ट प्रबंधन", "अच्छे स्वास्थ्य के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता, आदतें और आचरण" तथा "प.ऊ.वि. के तहत केंद्रीय उपक्रमों के लिए अमृत काल विजन दस्तावेज" पर अपने आलेख प्रस्तुत किए। इन विषयों पर प्रस्तुत आलेख ने न केवल ज्ञानवर्धन किया, बल्कि संगठनात्मक विकास के लिए उपयोगी सुझाव भी प्रदान किए। विशेष रूप से पर्यावरण संरक्षण एवं अपशिष्ट प्रबंधन पर प्रस्तुत विचार वर्तमान समय की आवश्यकता के अनुरूप थे। वहीं मानव संसाधन के महत्व पर चर्चा ने यह स्पष्ट किया कि किसी भी संगठन की सफलता उसके कर्मचारियों की दक्षता एवं संतुष्टि पर निर्भर करती है। इस संगोष्ठी की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि इसमें हिंदी को वैज्ञानिक विमर्श की भाषा के रूप में सफलतापूर्वक प्रयोग किया गया।



## राजभाषा गतिविधियाँ - मद्रास परमाणु बिजलीघर

### विश्व हिंदी दिवस का आयोजन

मद्रास परमाणु बिजलीघर में 12 जनवरी, 2026 को विश्व हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री एम.कृष्णचन्द्र राव, प्रबंधक (राजभाषा) ने सभी का स्वागत किया। श्री एम.कृष्णचंद्र राव ने विश्व हिंदी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन 10 जनवरी, 1975 को नागपुर में आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन का उद्देश्य हिंदी के प्रचार-प्रसार को विश्व स्तर पर बढ़ावा देना था।



तत्पश्चात मॉरिशस, युनाइटेड किंगडम, त्रिनिदाद, टोबैगो और संयुक्त राज्य अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका और फिजी आदि देशों में विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन होता रहा है। विश्व हिंदी दिवस को औपचारिक रूप से मनाने का सिलसिला 10 जनवरी, 2006 से भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की घोषणा के बाद शुरू हुआ।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री एम. शेषय्या, केंद्र निदेशक एवं अध्यक्ष, राभाकास ने सभी कार्मिकों को विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का संस्थान होने के नाते राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में अपना योगदान देना हमारा दायित्व है। उन्होंने सभी को अपना अधिकतम कार्य राजभाषा हिंदी में करने हेतु प्रेरित किया। माननीय श्री भुवन चंद्र पाठक, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनपीसीआईएल द्वारा जारी संदेश का श्री एन. वासुदेवन, प्रधान(मासं) वाचन किया। कार्यक्रम में बिजलीघर प्रबंधन के उच्चाधिकारीगण, सभी समूह प्रधान, अनुभाग प्रधान और राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सदस्य शामिल हुए।

### हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन

मद्रास परमाणु बिजलीघर की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन में तकनीकी एवं वैज्ञानिक विषयों पर सहज एवं सरल हिंदी में कार्य करने के प्रति कार्मिकों को प्रेरित करने के लिए 27 मार्च, 2026 को एक पूर्ण कार्य दिवसीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि श्री सु.बा. सेल्वकुमरन, मुख्य अधीक्षक, मपबिघ और श्री एन. वासुदेवन, प्रधान (मासं) और श्रीमती आर. अमृतावल्ली, उप महाप्रबंधक (विधि) उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि श्री सु.बा. सेल्वकुमरन, मुख्य अधीक्षक ने अपने संबोधन में कहा कि यह एक महत्वपूर्ण आयोजन है जिसमें संयंत्र के अधिकारियों द्वारा वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषयों पर हिंदी में व्याख्यान प्रस्तुत किए जा रहे हैं।



उन्होंने सभी प्रतिभागियों से इस संगोष्ठी में सक्रिय रूप से भाग लेने और व्याख्यानों के दौरान उनके प्रश्नों/शंकाओं का समाधान करने हेतु परस्पर चर्चा करने का आग्रह किया और संगोष्ठी की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। संगोष्ठी के प्रथम सत्र में श्री कुलदीप, वैज्ञानिक अधिकारी/सी, यांत्रिक अनुरक्षण ने भारत में छोटे मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टरों के भविष्य के बारे में प्रस्तुति दी। तत्पश्चात श्री पी. बुज्जीबाबू, वैज्ञानिक अधिकारी/ई ने मटेरियल हैंडलिंग के संबंध में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

संगोष्ठी के अगले व्याख्यान में श्री वी.एस.संतानम, संरक्षा अधिकारी ने एनपीसीआईएल में वर्ष 2025 के दौरान औद्योगिक दुर्घटनाओं पर प्रतिभागियों से सक्रिय पारस्परिक चर्चा करते हुए महत्वपूर्ण जानकारी दी। संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में श्री राहुल वर्मा, वैज्ञानिक अधिकारी/ई, औद्योगिक एवं अग्नि संरक्षा ने विद्युत संरक्षा के बारे में विस्तार से रोचक जानकारी दी। श्री रोहित चतुर्वेदी, तकनीकी अधिकारी/ई, यांत्रिक अनुरक्षण ने मपबिघ में फीडर एल्बो स्पूल प्रतिस्थापन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। श्री के.वी. रामसुब्रमणियन वैज्ञानिक अधिकारी/ई, स्वास्थ्य भौतिकी अनुभाग ने विकिरण संरक्षा के संबंध में व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रत्येक व्याख्यान की समाप्ति पर प्रतिभागियों की शंकाओं को दूर किया गया। संगोष्ठी में सभी प्रतिभागियों का प्रतिसाद एवं आपसी परिसंवाद बहुत अच्छा रहा। विभिन्न अनुभागों के कुल 21 कार्मिकों ने इस संगोष्ठी में भाग लिया।



मुख्य अतिथि श्री एम.शेषय्या, केंद्र निदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि यह बहुत प्रशंसा का विषय है कि मपबिघ एवं स्थानीय प.ऊ.वि. इकाइयों के कार्मिकों की सहभागिता से हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। हिंदी कवि सम्मेलन के आयोजन के लिए राजभाषा अनुभाग को विशेष बधाई दी एवं उन्होंने इसी प्रकार की और अधिक गतिविधियों का आयोजन करने का सुझाव दिया जिससे हमारी स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का अवसर मिले।



### हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन में मपबिघ एवं स्थानीय प.ऊ.वि. इकाइयों की सहभागिता से मपबिघ संयंत्र स्थल पर दिनांक 30.03.2026 को आंतरिक हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्र निदेशक, मुख्य अधीक्षक और राभाकास सदस्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

उन्होंने कवि सम्मेलन की सफलता के लिए राजभाषा अनुभाग एवं सभी कार्मिकों को शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम में मपबिघ के 06 कार्मिकों एवं इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम के 04 अधिकारियों ने काव्य पाठ किया।

कवि सम्मेलन के दौरान मुख्य अतिथि एवं अन्य श्रोताओं ने पूरे उत्साह एवं तन्मयता के काव्य पाठ का आनंद लिया और तालियों की गड़गड़ाहट से कवियों का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम के अंत में श्री एम. शेषय्या, केंद्र निदेशक, मपबिघ द्वारा सभी कवियों को स्मृति चिह्न भेंट किए गए।





## राजभाषा गतिविधियाँ - कैगा विद्युत उत्पादन केंद्र

### हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन

कैगा स्थल द्वारा कार्मिकों में हिंदी के प्रचार एवं प्रसार को बढ़ावा देने हेतु मुख्यालय के निर्देशानुसार समय-समय पर आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में राजभाषा अनुभाग, कैगा स्थल द्वारा दिनांक 12.01.2026 को केजीएस-1व2 में विश्व हिंदी दिवस एवं 21वीं हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।



विश्व हिंदी दिवस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री बी. विनोद कुमार, स्थल निदेशक, कैगा स्थल, श्री बी. साहु, प्रचालन अधीक्षक, केजीएस 3व4, श्रीमती सुवर्णा एस गावंकर, प्रमुख (मा.सं.) तथा श्री बसंत कुमार सिंह, उप प्रबंधक (राजभाषा) उपस्थित थे। उक्त संगोष्ठी में 57 कार्मिकों ने भाग लिया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि श्री बी. विनोद कुमार, स्थल निदेशक, कैगा स्थल तथा अन्य मंचासीन अतिथियों ने विधिवत दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उप प्रबंधक (राजभाषा) श्री बसंत कुमार सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए विश्व हिंदी दिवस के बारे में संक्षिप्त

जानकारी दी एवं हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी के आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर श्री बी. साहु, प्रचालन अधीक्षक, केजीएस-3व4 में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मुख्यालय से प्राप्त संदेश का पठन किया।

इसके बाद 21वीं हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आरंभ किया गया जिसमें कुल आठ आलेख प्रस्तुत किए गए। संगोष्ठी में प्रथम सत्र की अध्यक्षता श्री बी. साहु, प्रचालन अधीक्षक, केजीएस-3व4, द्वारा की गई। प्रथम सत्र में श्रीनिवास एन. पंचमुखी, तकनीकी अधिकारी/ई, प्रचालन विभाग, केजीएस-1व2 ने 'भारतीय लघु परमाणु रिएक्टर (BSR)' विषय पर श्री अन्वर बाशा एम. शेख, फोरमैन-बी, प्रचालन, केजीएस-3व4 ने के.जी.एस इकाई-3 में बी.एस.डी-2025 के दौरान आन्तरिक ट्रिशियम अंतर्ग्रहण को कम करने के लिए अपनाई गई नवीन तकनीकें और पद्धतियां विषय पर, श्री मनीष राज, उप प्रबंधक (मा.सं.), मानव संसाधन ने 'नेतृत्व' विषय पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। द्वितीय सत्र में श्री राकेश राव प्रमुख (आईटी) कैगा-5व6 सत्राध्यक्ष के रूप में आमंत्रित थे। इस सत्र में श्रीमती नागलक्ष्मी सुरेश, तकनीशियन/जी, रिएक्टर भौतिकी अनुभाग, केजीएस-3व4 ने 'भारत में भुक्तशेष ईंधन बंडलों का परिवहन' विषय पर श्री जागिरदार अनिरुद्ध, वैज्ञानिक अधिकारी/सी, गुणवत्ता आश्वासन अनुभाग, ने 'पूरी तरह से स्वचालित दूरस्थ ब्लीड कूलर एडी करंट परीक्षण संचालित प्रणाली' विषय पर श्री सौरव पाल, वैज्ञानिक अधिकारी/सी, रिएक्टर भौतिकी अनुभाग, केजीएस-3व4 ने 'भारतीय 700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर:



डिजाइन विशेषताएँ, नवीनताएँ और वर्तमान चुनौतियाँ विषय पर श्री के.ए.शाजीमोन, वैज्ञानिक सहायक/ई ने 'केजीएस-1व2 परमाणु संयंत्र में अनिवार्य प्रशिक्षण का महत्व' विषय पर तथा श्री विनीत यादव, तकनीशियन/बी, रिएक्टर भौतिकी अनुभाग, केजीएस 3व4 ने 'विफल (फ्लेड) ईंधन बंडलों का पोस्ट-इरैडियेशन इन्जामिनेशन (पीआईई)' विषय पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। प्रत्येक आलेख की समाप्ति पर संबंधित प्रस्तुतकर्ता से प्रश्न पूछकर शंकाओं का समाधान किया गया और सत्राध्यक्ष ने भी अपनी टिप्पणी प्रस्तुत की।

### हिंदी कार्यशाला का आयोजन

कैगा स्थल में 12 एवं 13 फरवरी 2026 को एक दिवसीय दो हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रथम कार्यशाला में श्री बी.विनोद कुमार, स्थल निदेशक, कैगा स्थल और द्वितीय कार्यशाला में श्री ए.एल.वी.विक्रम रेड्डी, मुख्य अधीक्षक, केजीएस-3व4 सादर आमंत्रित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती सुवर्णा एस. गाँवकर, प्रमुख (मा.सं.) कैगा स्थल एवं श्री अजय थॉमस, उप महाप्रबंधक (मा.सं.) कैगा स्थल उपस्थित थे। कार्यशाला में कुल 96 कार्मिकों अर्थात अधिकारियों(36) और कर्मचारियों(60) ने भाग लिया।

श्री बसंत कुमार सिंह, उप प्रबंधक (राजभाषा), कैगा स्थल ने हिंदी भाषा की पृष्ठभूमि बताते हुए 'संघ की राजभाषा नीति, नियमों और प्रावधानों' को विस्तार से बताया और श्रीमती अफ़रोज़ा बेगम एम. के., वरिष्ठ हिंदी अनुवादक ने लेखन में आने वाली समस्याओं को ध्यान में रखते हुए 'हिंदी वर्तनी और देवनागरी लिपि का मानकीकरण' एवं हिंदी प्रोत्साहन योजनाओं पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई

और इसके साथ-साथ यूनिकोड, कंठस्थ एवं हिंदी में ईमेल भेजने के बारे में बताया। श्री पी. राजेंद्र वरिष्ठ हिंदी अनुवादक ने 'प्रशासनिक एवं तकनीकी शब्दावली के बारे में आपसे अपेक्षाएं' विषय पर जानकारी दी। श्रीमती अफ़रोज़ा बेगम ने सभी प्रतिभागियों से लेखन अभ्यास भी करावाया। सभी प्रतिभागियों ने कार्यशाला को सफल, उपयोगी और ज्ञानप्रद बताया।

### अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन

हिंदी प्रचार - प्रसार के एक भाग के रूप में एवं जनमानस में हिंदी को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से कैगा स्थल में 16 जनवरी 2026 को कैगा टारुनशिप रंगमंडप में अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में देश के जाने माने और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त 04 कवि यथा पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा, श्रीमती बलजीत कौर, श्री विनोद पाल एवं श्री संजय बंसल को काव्य पाठ हेतु आमंत्रित किया गया। स्थल निदेशक महोदय एवं गणमान्य अतिथियों द्वारा कवियों यथा पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा, श्रीमती बलजीत कौर, श्री विनोद पाल एवं श्री संजय बंसल को पौधा भेंटकर तथा शॉल से सम्मानित किया गया। सर्वप्रथम कवि सम्मेलन की संचालक श्रीमती बलजीत कौर ने स्टैंडअप कॉमेडियन एवं हास्यरस से भरपूर श्री विनोद पाल को काव्य पाठ हेतु आमंत्रित किया। उनके उपरांत संचालक महोदय कवयित्री श्रीमती बलजीत कौर ने भी अपनी हास्य रचनाओं में हास्यपूर्ण पारिवारिक संबंधों आदि पर शानदार प्रस्तुति से श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। अंत में मंच की कमान पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा ने संभाली। उन्होंने अपने लोकप्रिय हरियाणवी लहजे में अपनी हास्य व्यंग्य रचनाओं, विशेषकर पति-पत्नी की नोकझोंक, आज के सामाजिक वातावरण पर बहुत ही मार्मिक कटाक्ष ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।





## राजभाषा गतिविधियाँ - कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट

### हिंदी मास का आयोजन

कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट में हिंदी दिवस-2025 के उपलक्ष्य में 14 सितंबर, 2025 से 15 अक्टूबर, 2025 तक हिंदी मास का आयोजन किया गया। 15 अक्टूबर, 2025 को हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसमें गणमान्य व्यक्तियों से प्राप्त संदेशों का वाचन किया गया।



हिंदी मास के अंतर्गत केके-1 व 2 और केके-3 से 6 में कुल 05 प्रतियोगिताएं यथा हिंदी टंकण प्रतियोगिता, हिंदी गीत गायन प्रतियोगिता, हिंदी वर्ग पहेली प्रतियोगिता, भाषा कौशल प्रतियोगिता, हिंदी तकनीकी/कार्य प्रणाली लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं के कुल 114 विजेता कार्मिकों को कुल ₹.1,00,800/- का पुरस्कार प्रदान किया गया।

### विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन

केकेएनपीपी में दिनांक 12.01.2026 को विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सीएमडी से प्राप्त संदेश का वाचन किया गया। इस उपलक्ष्य में कुल 05 प्रतियोगिताओं के आयोजन क्रम में दिनांक 24.02.2026 को 'हिंदी शब्दार्थ स्मरण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और शेष 04 प्रतियोगिताओं का आयोजन विभिन्न अंतरालों पर किया गया।



### हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन

हिंदी कार्यशाला के संबंध में मुख्यालय से प्राप्त दिशानिर्देशों के अनुसार केकेएनपीपी में अक्टूबर, 2025 से मार्च, 2026 के दौरान प्रत्येक माह कुल (दिनांक 30.10.2025, 28.11.2025, 23.12.2025, 30.01.2026, 27.02.2026, 28.03.2026) 06 हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिनमें कुल 160 कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया। उक्त कार्यशालाओं में राजभाषा नीति, देवनागरी लिपि का मानकीकरण एवं हिंदी वर्तनी, कंठस्थ अनुवाद सारथी का व्यावहारिक उपयोग, यूनिकोड में हिंदी टाइपिंग का अभ्यास, शब्दावली अभ्यास, प्रोत्साहन योजनाएं, हिंदी प्रगति रिपोर्ट, वार्षिक कार्यक्रम, आईबीए एप्लिकेशन ऑनलाइन भरने की विधि इत्यादि पर व्याख्यान प्रस्तुत किए गए।

### हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 21.01.2026 को एक पूर्ण दिवसीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसके उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य अधीक्षक, केके-3 व 4 ने पधार कर प्रतिभागियों को आशीर्वचन दिए।



संगोष्ठी में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में सुरक्षा संस्कृति का महत्व, ईंधन पुनर्भरण शटडाउन के दौरान विभागीय एवं संविदा कार्मिकों को न्यूनतम मात्रा की उत्तम विकिरण पद्धतियां, भारतीय नाभिकीय ऊर्जा के विकास में वैश्विक सहयोग का महत्व, स्वास्थ्य से संबंधित विषय, भारत का स्वदेशी ऊर्जा कार्यक्रम, नाभिकीय ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन, राष्ट्रीय पेंशन योजना, विकसित भारत 2047 – भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना और तनाव प्रबंधन विषय पर व्याख्यान दिए गए। संगोष्ठी में कुल 35 कार्मिकों ने भाग लिया।

## कंठस्थ अनुवाद सारथी सॉफ्टवेयर का व्यावहारिक प्रशिक्षण

केकेएनपीपी के कार्मिकों को कंठस्थ अनुवाद सारथी सॉफ्टवेयर का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सी-डैक से पधारे संकाय सदस्यों ने 07.10.2025 और 08.10.2025 को प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण में केकेएनपीपी-1 से 6 के लगभग 150 कार्मिकों ने भाग लिया।

## हिंदी काव्य गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन

केकेएनपीपी में दिनांक 16.03.2026 को हिंदी काव्य गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें के कुल 19 कार्मिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री विवेक भारद्वाज, वरिष्ठ तकनीकी लेखा परीक्षा अभियंता, गुणवत्ता आश्वासन एवं श्री अवनीश उपाध्याय, वरिष्ठ अनुरक्षण अभियंता (आई), सीएमयू-3व4 को आमंत्रित किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 66वीं बैठक में केंद्र निदेशक-3व4 द्वारा अणुकन्या गृहपत्रिका के 22वें अंक का विमोचन केकेएनपीपी के वेबपेज पर किया गया।



## ऑनलाइन हिंदी प्रश्नोत्तरी का आयोजन

अक्टूबर 2025 से मार्च 2026 तक प्रत्येक माह में ऑनलाइन हिंदी प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया और प्रत्येक माह क, ख एवं ग क्षेत्रवार 03-03 विजेता कार्मिकों को ₹1000/- पुरस्कार राशि का भुगतान किया गया।



## नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति

दिनांक 06.11.2025 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित संयुक्त हिंदी कार्यशाला एवं प्रतियोगिता में केकेएनपीपी की ओर से उप प्रबंधक (राजभाषा) और 10 कार्मिकों ने हिस्सा लिया। केकेएनपीपी ने संकाय सदस्य के रूप में "देवनागरी लिपि एवं हिंदी वर्तनी का मानकीकरण" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए केकेएनपीपी को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है।





## मद्रास परमाणु बिजलीघर में निगम सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियाँ

मद्रास परमाणु बिजलीघर के निगम सामाजिक उत्तरदायित्व अभिक्रम के अंतर्गत, पुलियूर ग्राम में निर्मित आंगवाड़ी भवन का श्री एम.शेषय्या, केंद्र निदेशक, मपबिघ द्वारा दिनांक 10/10/2025 को उद्घाटन किया गया। उन्होंने दिनांक 03/11/2025 को सेलम, तमिलनाडु में आयोजित एनएसएनओपी सम्मेलन में माननीय शिक्षा मंत्री, तमिलनाडु को शिक्षा संवर्धन के लिए प्रतिबद्धता पत्र सौंपा।



श्री एस.ए. भारद्वाज, भूतपूर्व अध्यक्ष, आईआरबी ने केंद्र निदेशक और ईएसी, एमओईएफसीसी के सदस्यों की उपस्थिति में दिनांक 14/11/2025 को कूलियानमेडु में विषयगत पेंटिंग तथा क्रीड़ा क्षेत्र के साथ आंगनवाड़ी का उद्घाटन किया। मपबिघ के निगम सामाजिक उत्तरदायित्व अभिक्रम के अंतर्गत आंगनवाड़ी तथा विषयगत पेंटिंग का निर्माण किया गया था।

उन्होंने केंद्र निदेशक और ईएसी, एमओईएफसीसी के सदस्यों की उपस्थिति में दिनांक 14/11/2025 को वेप्पनचेरी में विषयगत पेंटिंग तथा क्रीड़ा क्षेत्र के साथ आंगनवाड़ी का उद्घाटन किया। मपबिघ के निगम सामाजिक उत्तरदायित्व अभिक्रम के अंतर्गत आंगनवाड़ी तथा विषयगत पेंटिंग का निर्माण किया गया था। उन्होंने केंद्र निदेशक और ईएसी, एमओईएफसीसी के सदस्यों की उपस्थिति में दिनांक 14/11/2025 को स्कूली विद्यार्थियों को नोटबुक, ज्यामिति बॉक्स, तथा मूंगफली बर्फी का वितरण किया। मपबिघ के निगम सामाजिक उत्तरदायित्व अभिक्रम के अंतर्गत यह व्यय किया गया था।

मपबिघ के निगम सामाजिक उत्तरदायित्व अभिक्रम के अंतर्गत निकटवर्ती ग्रामों में आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण

किया गया। श्री एम. शेषय्या, केंद्र निदेशक, मपबिघ ने दिनांक 02/02/2026 को कोन्ताकारीकुप्पम ग्राम में नए आंगनवाड़ी भवन का उद्घाटन किया।

मपबिघ के निगम सामाजिक उत्तरदायित्व अभिक्रम के अंतर्गत निकटवर्ती ग्रामों में सरकारी स्कूलों के लिए नए स्कूल भवनों का निर्माण किया गया। उन्होंने दिनांक 02/02/2026 को पंचायत यूनियन मिडिल स्कूल, बोम्मराजपुरम के लिए नए स्कूल भवन का उद्घाटन किया।



निकटस्थ ग्रामवासियों के लाभार्थ मोबाइल नेत्र शल्य चिकित्सा इकाई (एमईएसयू) के माध्यम से कल्पाक्कम में दिनांक 11/02/2026 से दिनांक 19/02/2026 तक विशाल नेत्र शिविर (नेत्र जाँच तथा मोतियाबिन्द शल्य-चिकित्सा) आयोजित करने हेतु दिनांक 05/02/2026 को एनपीसीआईएल- मपबिघ द्वारा मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन, शंकर नेत्रालय, चेन्नै के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। यह अनुमान लगाया है कि इस नेत्र शिविर के दौरान लगभग 2000 लोगों के नेत्र जाँच किए जाएंगे और जाँच परिणामों के अनुसार लगभग 200 लोगों की मोतियाबिन्द शल्यचिकित्सा की जाएगी।

दिनांक 05/02/2026 को मपबिघ और मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन (शंकर नेत्रालय), चेन्नई के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के क्रम में 11 से 19 फरवरी 2026 के बीच 11वें नेत्र जाँच शिविर और मोतियाबिन्द शल्यचिकित्सा आयोजित की गई। कल्पाक्कम टाउनशिप में स्थापित मोबाइल नेत्र शल्य चिकित्सा इकाई (एमईएसयू) में मोतियाबिन्द शल्यचिकित्सा की जा रही है। श्री एम. शेषय्या, केंद्र निदेशक, मपबिघ ने दिनांक 11/02/2026 को मल्टीपर्स हॉल, कल्पाक्कम में नेत्र शिविर का उद्घाटन किया।

मपबिघ के निगम सामाजिक उत्तरदायित्व अभिक्रम के अंतर्गत ब्लॉक रिसोर्स सेंटर, तिरुकलिकुण्ड्रम के लिए स्कूल तैयारी कार्यक्रम (एसआरपी) के लिए विशेष



आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए भवन का निर्माण किया गया। भवन में सरलता से प्रयुक्त किए जाने वाले शौचालय सुविधाओं, प्रवेश द्वार तक वाहन रैंप, सेंसरी मार्ग और प्रासंगिक विषयगत पेंटिंग को शामिल किया गया है। श्री एम. शेषय्या, केंद्र निदेशक, मपबिघ ने दिनांक 09/02/2026 को भवन का उद्घाटन किया। मद्रास परमाणु बिजलीघर ने अपने 11वें विशाल नेत्र शिविर 2026 का सफलतापूर्वक समापन किया। आसपास के समुदाय को आवश्यक नेत्र चिकित्सा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह एक प्रमुख निगम सामाजिक उत्तरदायित्व पहल है। शिविर में कुल 2615 रोगियों की जाँच करते हुए महत्वपूर्ण दृष्टि आवश्यकताओं को पूर्ण किया। चिकित्सा, निगम सामाजिक उत्तरदायित्व तथा स्वयंसेवी टीम के समर्पित प्रयासों के माध्यम से 177 लोगों की मोतियाबिन्द शल्यचिकित्सा की गई और चश्मे के लिए 1970 रोगियों की पहचान की गई। इस पहल ने भविष्य की पीढ़ी पर भी ध्यान केंद्रित किया, जिसमें 142 छात्रों के लिए विशेष जाँच प्रदान किया गया। मपबिघ के निगम सामाजिक उत्तरदायित्व अभिक्रम के अंतर्गत ब्लॉक रिसोर्स सेंटर, तिरुकलिकुण्ड्रम के लिए स्कूल तैयारी कार्यक्रम (एसआरपी) के लिए विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए भवन का निर्माण किया गया।

भवन में सरलता से प्रयुक्त किए जाने वाले शौचालय सुविधाओं, मपबिघ द्वारा दिनांक 11/02/2026 से दिनांक

19/02/2026 तक आयोजित “विशाल नेत्र शिविर” के क्रम में 1970 हितधारियों के लिए चश्मा वितरण और मोतियाबिन्द शल्यचिकित्सा किए गए और 177 रोगियों की समीक्षा की गई। श्री एम. शेषय्या, केंद्र निदेशक(मपबिघ) द्वारा दिनांक 31/03/2026 को मल्टी पर्पस हॉल, पऊवि टाउनशिप, कल्पाक्कम में चश्मा वितरण प्रारंभ किया गया था।

कर्तव्यनिष्ठ टीम प्रयास के माध्यम से व्यापक नेत्र शिविर के दौरान चश्मे के लिए पहचाने गए 1970 रोगियों को अत्यंत सावधानी के साथ चश्मों का वितरण किया गया। ग्रामीण बुनियादी संरचना को सुदृढ़ करने और बाल्यावस्था शिक्षा का समर्थन करने के लिए एनपीसीआईएल निगम सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के एक भाग के रूप में मपबिघ द्वारा कल्पक्कम क्षेत्र के आसपास वाले गाँव यानी पेरुम्बेदु, कल्पक्कम और नेडुमरम में तीन आंगनवाड़ी केंद्रों का निर्माण और उद्घाटन किया गया है।



श्री एम. शेषय्या, केंद्र निदेशक, मपबिघ ने आधिकारिक तौर पर दिनांक 23/02/2026 को पेरुम्बेदु तथा कल्पक्कम में और दिनांक 25/02/2026 को नेडुमरम में नए आंगनवाड़ी भवनों का उद्घाटन किया। बच्चों के लिए शैक्षिक दीवार पेंटिंग, बेहतर स्वच्छता सुविधाओं और खेल क्षेत्र के उपकरणों से केंद्रों को सुसज्जित किया गया है। समापन समारोह में श्री एम. शेषय्या, मपबिघ केंद्र निदेशक और श्री सु.बा. सेल्वकुमरन मुख्य अधीक्षक के साथ विशेष अतिथि के रूप में श्री एस.के. सक्सेना, अधिशासी निदेशक (अभियांत्रिकी), मुख्यालय, मुम्बई ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

डॉ. कासलनाटि हरि कृष्णा  
अपर मुख्य अभियंता (नि.सा.उ. एवं ज.जा.) एवं  
अध्यक्ष, निगम सामाजिक उत्तरदायित्व समिति  
मद्रास परमाणु बिजलीघर



## गुणवत्ता माह समारोह

गुणवत्ता जागरूकता को सशक्त करने और संगठन में निरंतर सुधार की परिपाटी को उन्नत करने के उद्देश्य से माह नवंबर-2025 के दौरान गुणवत्ता माह मनाया गया। एक नाभिकीय संगठन होने के नाते, गुणवत्ता आंतरिक रूप से सुरक्षा, विश्वसनीयता और नियामक अनुपालन से जुड़ी होती है और इसलिए डिजाइन और विनिर्माण से लेकर निरीक्षण, प्रचालन और रखरखाव संबंधी सभी गतिविधियों में सर्वोपरि महत्व रखती है।

इस महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए नाभिकीय सुरक्षा, गहन सुरक्षा और निरंतर प्रचालन उत्कृष्टता सुनिश्चित करने में गुणवत्ता की भूमिका हेतु प्रत्येक व्यक्ति को सुग्राही बनाने के लिए गुणवत्ता माह समारोह का आयोजन किया गया।

गुणवत्ता माह के उद्देश्यों के अनुरूप, पूरे माह के लिए कार्यक्रमों की एक संरचित श्रृंखला की योजना बनाकर निष्पादित की गई। इनमें गुणवत्ता माह का औपचारिक उद्घाटन, तकनीकी प्रस्तुतियाँ, एनडीटी प्रशिक्षण सह प्रदर्शन, विशेषज्ञ तकनीकी वार्ता, विश्व गुणवत्ता दिवस का आयोजन और पुरस्कार वितरण के साथ समापन समारोह शामिल था।

कार्यक्रम तकनीकी अधिगम, व्यावहारिक जोखिम और कर्मचारी जुड़ाव का एक संतुलित तालमेल प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था।

गुणवत्ता माह समारोह में अन्य निदेशालयों, परियोजनाओं, केंद्रों और क्षेत्रीय गुणवत्ता आश्वासन केंद्रों के कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई जो गुणवत्ता उत्कृष्टता के प्रति एक सशक्त संगठनात्मक प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

### गुणवत्ता माह के उद्देश्य:

- संगठन के सभी स्तरों पर गुणवत्ता और नाभिकीय सुरक्षा संस्कृति को सशक्त करना।
- नाभिकीय प्रणालियों और घटकों से संबंधित गुणवत्ता आश्वासन, निरीक्षण और एनडीटी प्रथाओं पर जागरूकता बढ़ाना।
- गुणवत्ता मुद्दों की शीघ्र पहचान और रोकथाम के लिए एक सक्रिय और प्रश्नात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना।

- गहन सुरक्षा की समझ, महत्वपूर्ण संरक्षा एसएससी की संरक्षा और विश्वसनीयता को सुनिश्चित करने में गुणवत्ता की भूमिका को शक्ति करना है।
- कर्मचारी भागीदारी, ज्ञान साझा करने और गुणवत्ता से संबंधित गतिविधियों में निरंतर सुधार को प्रोत्साहित करना।
- ईआईआरबी सुरक्षा आवश्यकताओं और नियामक अपेक्षाओं के साथ संगठनात्मक प्रथाओं को संरेखित करना।

### उद्घाटन समारोह:

3 नवंबर को निदेशक (मानव संसाधन) द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर गुणवत्ता माह कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से संगठन की गुणवत्ता और नाभिकीय संरक्षा के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाया गया।



एनपीसीआईएल के निदेशकों का नव नियुक्त अभियंताओं द्वारा फूलों के गुलदस्तों से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में अन्य निदेशालयों के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी भाग लिया। निदेशक (मानव संसाधन) के उद्घाटन संबोधन में, अधिशासी निदेशक (क्यूए) ने नियामक अनुपालन और संगठनात्मक उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण, परीक्षण और दस्तावेजीकरण में उच्च मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उद्घाटन समारोह में माह के दौरान नियोजित किए जाने वाले विभिन्न तकनीकी, प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की गई।

## गुणवत्ता आश्वासन निदेशालय - गुणवत्ता माह की गतिविधियां:

### प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम:

गुणवत्ता माह की गतिविधियों के हिस्से के रूप में, कर्मियों के बीच तकनीकी दक्षता और गुणवत्ता जागरूकता को सशक्त करने के उद्देश्य से क्यूएडी-मुख्यालय में विभिन्न प्रशिक्षण, प्रमाणीकरण और ज्ञान-वृद्धि कार्यक्रम आयोजित किए गए।

### ● वेल्डिंग निरीक्षक कोर्स:

केएपीएस में वेल्डिंग निरीक्षक प्रमाणन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 46 कार्मिक लाभान्वित हुए। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय वेल्डिंग संस्थान (आईआईडब्ल्यू) के तकनीकी समर्थन से किया गया था। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य वेल्डिंग निरीक्षण प्रथाओं, लागू कोड और नाभिकीय अनुप्रयोगों के लिए संबंधित गुणवत्ता आवश्यकताओं की समझ को बढ़ाना है।

### ● एनडी स्तर II रिसाव परीक्षण (एलटी):

मुख्यालय में 44 कर्मिकों को शामिल करते हुए एनडीटी लेवल II प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया। सत्र आईएसएनटी, मुंबई अध्याय की सहायता से आयोजित किए गए और रिसाव परीक्षण तकनीकों, स्वीकृति मानदंड और फील्ड अनुप्रयोगों के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।



### ● एनडीटी प्रदर्शन:

10 और 18 नवंबर को अल्ट्रासोनिक परीक्षण (यूटी), चरणबद्ध सरणी यूटी (पॉट), एडीडीवाई वर्तमान परीक्षण (ईसीटी) और चुंबकीय कण परीक्षण (एमपीटी) सहित प्रमुख एनडीटी विधियों पर एक व्यापक प्रदर्शन आयोजित किया गया। व्यावहारिक प्रदर्शन ने प्रतिभागियों को वास्तविक समय निरीक्षण तकनीकों और क्षेत्र की स्थितियों में उनके आवेदन के लिए एक्सपोजर प्रदान किया।

## विशेषज्ञ वार्ता:

गुणवत्ता माह अवलोकन के हिस्से के रूप में, 13 नवंबर (गुणवत्ता दिवस) को क्यूएडी-मुख्यालय में और बाद में 17 और 24 नवंबर को प्रतिष्ठित संगठनों के विषय वस्तु विशेषज्ञों के साथ ज्ञान साझा करने और संवाद हेतु विशेषज्ञ तकनीकी वार्ताओं की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया था। वार्ता में गुणवत्ता, नाभिकीय इंजीनियरिंग और विनिर्माण उत्कृष्टता के विविध पहलू शामिल थे।



श्री दिनेश कुमार शुक्ला, अध्यक्ष, आईआरबी



डॉ. जगन्नाथ दास, उप निदेशक, इसरो



श्री राजा रेथिनम पी. क्यूए प्रमुख, एल एंड टी निर्माण, मुंबई



श्री प्रवीण भट्ट, वी.पी. एल एंड टी हेवी इंजीनियर्स., हजीरा



## गुणवत्ता दिवस समारोहः

नाभिकीय सुरक्षा, विश्वसनीयता और नियामक अनुपालन सुनिश्चित करने में गुणवत्ता के महत्व को सशक्त करने के उद्देश्य से गुणवत्ता माह के अनुपालन के हिस्से के रूप में 13 नवंबर को गुणवत्ता दिवस मनाया गया। समारोह में गुणवत्ता सिद्धांतों, संगठनात्मक गुणवत्ता पहलों व स्थापित प्रक्रियाओं और मानकों के अनुपालन के महत्व पर विचार-विमर्श शामिल था। सशक्त गुणवत्ता और संरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने, पृष्ठताछ के दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने और सभी गतिविधियों में निरंतर सुधार को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत अधिशासी निदेशक (क्यूए) द्वारा दिए गए स्वागत भाषण के साथ हुई, जिसमें गुणवत्ता माह की थीम – “गुणवत्ता: अलग तरह से सोचें” गुणवत्ता की प्रासंगिकता और गुणवत्ता प्रथाओं में नवीन दृष्टिकोणों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। इसके बाद अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक द्वारा संबोधन प्रस्तुत किया गया जिन्होंने अपने संबोधन में गुणवत्ता और संरक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सामूहिक जिम्मेदारी, नेतृत्व प्रतिबद्धता और निरंतर सुधार पर जोर दिया।



कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें गणमान्य व्यक्तियों, वक्ताओं के योगदान के प्रति आभार प्रस्तुत किया गया। टीम और प्रतिभागियों ने गुणवत्ता दिवस समारोह के सफल संचालन में योगदान दिया।



## समापन समारोहः

गुणवत्ता माह समारोह का समापन 28 नवंबर को आयोजित समापन समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के साथ हुआ। इस कार्यक्रम ने मुख्यालय, आरक्यूएसी और केंद्रों/परियोजनाओं में माह के दौरान आयोजित विभिन्न तकनीकी प्रशिक्षण और जागरूकता पहलों के सफल समापन को चिह्नित किया।



समापन समारोह के दौरान सीएमडी, एनपीसीआईएल ने गुणवत्ता, संरक्षा और निरंतर सुधार के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने गुणवत्ता माह के दौरान सृजित गति को बनाए रखने और सीखने को नियमित प्रथाओं में एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कर्मचारियों को गुणवत्ता माह की विषय वस्तु के अनुरूप एक सक्रिय और प्रश्नात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया, गुणवत्ता अलग तरह से सोचती है।



सीएमडी ने क्यूए टीमों, विषय वस्तु विशेषज्ञों, समितियों के आयोजन और प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी व गुणवत्ता माह की गतिविधियों के सफल संचालन में योगदान के लिए उनके सामूहिक प्रयासों की सराहना की।

राजपति मिश्रा  
मुख्य अभियंता  
गुणवत्ता निदेशालय, मुख्यालय

## अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

एनपीसीआईएल के कार्यबल में महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रेरक व सशक्त वार्ता और गतिविधियों की एक श्रृंखला के साथ 11 मार्च, 2026 को एनपीसीआईएल मुख्यालय, मुंबई में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़ी धूम-धाम से मनाया गया।



इस कार्यक्रम में तकनीकी और गैर-तकनीकी कैडर, संविदा कर्मचारी और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की लगभग 250 महिला कर्मचारियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम एक जीवंत सांस्कृतिक सत्र के साथ शुरू हुआ जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के पारंपरिक नृत्य रूपों के माध्यम से भारत की समृद्ध विविधता को प्रदर्शित किया गया। मधुर गीत और भावुक कविताओं ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया।



इस कार्यक्रम का उद्घाटन एनपीसीआईएल के निदेशकों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। श्रीमती रेम्या शर्मा, अपर मुख्य अभियंता (केएम) ने स्वागत भाषण दिया। इस कार्यक्रम में अगले एक वर्ष में सेवानिवृत्त होने वाली महिलाओं को उनके बहुमूल्य

योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्री पी ए सुरेश बाबु, निदेशक (मानव संसाधन), श्री एस. जयकृष्णन, निदेशक (तकनीकी-एलडब्ल्यूआर), श्री वी. राजेश, निदेशक (तकनीकी), श्री सोनल बजाज, निदेशक (वित्त), श्री एन.के. मिठारवाल, निदेशक (परियोजनाएं), अतिथि वक्ता और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

श्रीमती नीता सिंह, सह निदेशक (सीएंडआई-आरसी) ने परिचयात्मक संबोधन प्रस्तुत किया जिसके माध्यम से एनपीसीआईएल के लिए कीर्तिमान हासिल करने वाली महिलाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय श्रेणी के कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्य हेतु याद किया गया।



श्री पी.ए. सुरेश बाबु, निदेशक (मानव संसाधन) ने लैंगिक विविधता के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को उजागर करते हुए व्यावहारिक विचारों के साथ उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने एनपीसीआईएल में महिला कार्यबल द्वारा किए गए उदाहरणों और प्रयासों की भी सराहना की।









**शांत और स्थिर मन क्यों जरूरी है?** अशांत मन की गति बुद्धि की गति से कई-कई गुना ज्यादा तेज होती है। अतः मन अशांत होने पर मन और बुद्धि के बीच का तालमेल टूट जाता है और अशांत मन अनियमित, अव्यवस्थित हो जाता है और बुद्धि निष्क्रिय मतलब मूर्खता, मंदबुद्धि या बुद्धिहीन जैसी स्थिति। जब मन बुद्धि द्वारा नियंत्रित होकर आगे बढ़ता है, तभी कुछ अच्छा कर पाता है, प्रसन्न रहता है और शरीर भी स्वस्थ रहता है।

अशांत मन भी मन के तनाव ग्रस्त होने का एक मुख्य कारण है। जब मन तनाव में होता है, तो मस्तिष्क उसे 'आपातकाल' (Emergency) मानता है और शरीर की यह ऊर्जा हीलिंग से हटकर, 'लड़ो या भागो' (Fight or Flight) मोड में चली जाती है। इससे हीलिंग की प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है। अज्ञानतावश, बार-बार गलत सोच (negative thinking) के कारण, यदि मन की शांति बार-बार भंग होती है, तनाव में रहती है, तो हमारे अन्दर की स्वाभाविक हीलिंग कमजोर हो जाती है और हम बार-बार बीमार पड़ने लगते हैं। आधुनिक विज्ञान और प्राचीन अध्यात्म दोनों ही इस बात का समर्थन करते हैं।

## दर्द का महत्व

कुछ लोग तो दर्द बहुत ज्यादा बढ़ जाने पर ही इस पर ध्यान देते हैं। यदि हमें दर्द न होता तो हम डॉक्टर के पास ही नहीं जाते और हमारा शरीर अंदर ही अंदर कमजोर होता चला जाता और हमें पता ही नहीं चलता। दर्द का भी हमारे जीवन में बहुत महत्व है। वास्तव में हमें दर्द का अहसास होने की शक्ति होना ईश्वर का दिया हुआ एक वरदान है। दर्द हमारे अच्छे के लिए होता है, बशर्ते हम सँभल जाएँ और अपने में जरूरी सुधार कर लें। उदाहरण के लिए, यदि हमें दर्द की अनुभूति होना बंद हो जाए तो जब तक हमारे अंग पूरी तरह खराब नहीं हो जाते, हमें पता ही नहीं चलेगा और समस्या अंतिम अवस्था तक पहुँच जाएगी।

कहा जाता है कि प्रकृति तो हमारी माता के समान है, जो जरूरत पड़ने पर हमें दंड भी देती है और प्यार भी करती है। दर्द तो शरीर और मन की संकेतिक भाषा है, जो रुकने और सँभलने का अनुरोध करता है। जब हम इन संकेतों को

अनदेखा करते रहते हैं, तो वही दर्द धीरे-धीरे बीमारी, चिड़चिड़ेपन और उदासी में बदल जाता है। संबंधों में कड़वाहट आ जाती है। अतः **दुःख-दर्द चाहे शरीर में हो या मन में, हमें हमारी कमजोरियों एवं सुधार की जरूरत का एहसास कराने के लिए ही आते हैं।**

## हमारे कष्टों का कारण

दर्द हो रहा है मतलब शरीर हमें सावधान कर रहा है कि समस्या शरीर की सामान्य क्षमता की सीमा के बाहर निकलती जा रही है। इसके दो ही कारण हो सकते हैं 1) समस्या पहले से बड़ी हो गई; 2) किसी वजह से शरीर की क्षमता पहले से कम हो गई। इन दोनों में से कोई एक पर या दोनों पर कार्य करना पड़ता है। परन्तु कभी-कभी बाहरी परिस्थितियाँ हमारे नियंत्रण में नहीं होती तो हमें अपने आपको मजबूत बनाना ही केवल एक मात्र विकल्प बचता है। दर्द होने पर डॉक्टर भी सबसे पहले हमारे शरीर का उपचार करता है और हमें कुछ समय के लिए कुछ चीजों से परहेज करने या सावधानी बरतने को कहता है, जैसे खट्टी, मीठी, तीखी, ठंडी चीजों या ठंड से बचाव आदि।

हमारा मन भी शरीर का हिस्सा है और यदि मन में दर्द होता है तो भी हमें ही उसके लिए कुछ न कुछ सुधार करना होगा। हमारे मन को भी यदि कष्ट मिल रहा है तो मतलब ईश्वर ही हमें प्रकृति के माध्यम से अपने कर्मों (अर्थात् मन, वाणी या शरीर से किए गए कर्मों) को सुधारने के लिए अलग-अलग तरीकों से कुछ बताना एवं सिखाना चाहता है। बाहरी परिस्थितियाँ या दूसरे तो बस निमित्त मात्र ही हैं। हमारे लिए तो, स्वयं में क्या सुधार करना है, यही सबसे पहली जरूरत है।







## आरोग्य: संतुलित जीवन की वैज्ञानिक और व्यावहारिक दृष्टि

“पहला सुख निरोगी काया” यह केवल एक कहावत नहीं, बल्कि जीवन का मूल सिद्धांत है। आधुनिक जीवनशैली में जहाँ भौतिक संसाधनों की प्रचुरता है, वहीं स्वास्थ्य, निरंतर चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे समय में आरोग्य की अवधारणा को समझना और उसे जीवन में उतारना अत्यंत आवश्यक है।

आरोग्य का अर्थ केवल रोगमुक्त होना नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक संतुलन की स्थिति है। जब व्यक्ति अपने शरीर, मन और परिवेश के बीच सामंजस्य स्थापित करता है, तभी वह वास्तविक स्वास्थ्य का अनुभव करता है।

आज अधिकांश रोगों का मूल कारण हमारी जीवनशैली है जिसमें असंतुलित आहार, शारीरिक निष्क्रियता, तनाव, अनियमित दिनचर्या और प्रकृति से दूरी मुख्य हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से भी यह सिद्ध हो चुका है कि लंबे समय तक तनाव और गलत आदतें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देती हैं, जिससे अनेक रोग उत्पन्न होते हैं।

### स्वस्थ जीवन के लिए प्रमुख आधार

**1. संतुलित एवं सजग आहार** केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि शरीर का ईंधन है। भोजन संतुलित, ताजा और मौसमी होना चाहिए।

- धीरे-धीरे और अच्छी तरह चबाकर खाना पाचन को बेहतर बनाता है।
- भोजन के तुरंत बाद अधिक पानी पीना पाचन क्रिया को प्रभावित करता है।
- “मित आहार” (आवश्यकता से थोड़ा कम भोजन) दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

**2. नियमित दिनचर्या और पर्याप्त विश्राम** मानव शरीर में एक जैविक घड़ी (Biological Clock) के अनुसार कार्य करता है।

- समय पर सोना और जागना हार्मोन संतुलन बनाए रखता है।
- पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण नींद मानसिक स्पष्टता एवं ऊर्जा के लिए आवश्यक है।

**3. शारीरिक सक्रियता और योग** प्रतिदिन कम से

कम 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि जैसे तेज चाल से चलना, योग या व्यायाम करना इत्यादि जिससे हृदय स्वास्थ्य, पाचन और मेटाबॉलिज्म को सुदृढ़ बनाता है। प्राणायाम और ध्यान मानसिक तनाव को कम कर भावनात्मक संतुलन स्थापित करते हैं।

### 4. मानसिक स्वास्थ्य और सकारात्मकता

- मानसिक स्थिति का शरीर पर सीधा प्रभाव पड़ता है।
- मुस्कुराना, सकारात्मक सोच और संतुलित व्यवहार तनाव को कम करते हैं।
- एंडोर्फिन जैसे “फील-गुड” हार्मोन शरीर को ऊर्जावान और प्रसन्न रखते हैं।

### 5. स्वच्छता और रोकथाम:

- व्यक्तिगत स्वच्छता, विशेषकर दंत स्वच्छता, कई रोगों से बचाव करती है।
- नियमित स्वास्थ्य जांच और संतुलित जीवनशैली से गंभीर बीमारियों का जोखिम कम होता है।

### 6. सामाजिक और नैतिक संतुलन :

- स्वस्थ व्यक्ति ही समाज के लिए उपयोगी बन सकता है।
- अनुशासन, सहयोग और संतुलित व्यवहार न केवल व्यक्तिगत बल्कि सामाजिक स्वास्थ्य को भी मजबूत बनाते हैं।

### निष्कर्ष

आरोग्य कोई लक्ष्य नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया है। यह छोटी-छोटी आदतों से निर्मित होता है जैसे सही आहार, नियमित व्यायाम, संतुलित सोच और अनुशासित जीवनशैली। यदि हम अपने दैनिक जीवन में इन सिद्धांतों को अपनाएँ, तो न केवल रोगों से बच सकते हैं, बल्कि एक ऊर्जावान, संतुलित और आनंदपूर्ण जीवन जी सकते हैं।

**स्वस्थ व्यक्ति ही सशक्त समाज और समृद्ध राष्ट्र की नींव होता है।**

अशोक कुमावत  
अपर महाप्रबंधक (संविदा एवं सामग्री प्रबंधन)  
मुख्यालय

## डिजिटल भारत : नई दिशा

कागज़ की धूल से उठकर  
जब उँगलियों ने स्क्रीन को छुआ,  
तब समय ने एक नया अध्याय  
भारत के नाम लिख दिया।  
तारों-सी चमकती आँखों में  
सपनों का सॉफ्टवेयर भरा,  
डिजिटल भारत की राहों पर  
नव युग चुपचाप उतर पड़ा।

कभी कतारों में खड़ा भारत  
आज क्लिक में आगे बढ़ता है,  
एक बटन पर सिमटा संसार  
हर घर में दस्तक देता है।  
गाँव की कच्ची गलियों में भी  
नेटवर्क का उजास फैला,  
जहाँ दीपक की लौ संग-साथ  
वाई-फाई का दीप जला।

डिजिटल भारत केवल तकनीक नहीं,  
यह सोच का परिवर्तन है,  
यह दूरी को तोड़ने का साहस,  
हर हीथ में सशक्त साधन है।  
जहाँ किसान मोबाइल पर देखे  
मौसम, मंडी का हाल,  
जहाँ फसल को मिले सही दाम  
और बिचौलियों का टूटे जाल।

शिक्षा ने बदला अपना रूप,  
ब्लैकबोर्ड से आगे बढ़ी,  
ऑनलाइन कक्षाओं की खिड़की  
हर बालक के लिए खुली।  
पहाड़, रेगिस्तान, द्वीप सभी  
एक ही कक्षा में जुड़े,  
ज्ञान का लोकतंत्र बना  
जहाँ सपने पंखों में सजे।

डिजिटल भारत ने नारी को  
नई पहचान, नई उड़ान दी,  
घर की चौखट लांघे बिना  
दुनिया से जुड़ने की राह दी।  
स्वरोजगार, ऑनलाइन बाज़ार,  
हुनर को मिला विस्तार,  
आत्मनिर्भरता की राहों पर  
बढ़ा नारी सशक्त भारता।

स्वास्थ्य सेवा ने भी ओढ़ा  
डिजिटल विश्वास का रंग,  
टेलीमेडिसिन, ई-रिपोर्ट्स ने  
बचाए समय और संग।  
दूरदराज़ के गाँवों तक  
पहुँचा डॉक्टर का हाथ,  
एक स्क्रीन बनी संजीवनी  
जीवन की हर एक बाता।

सरकार और जनता के बीच  
डिजिटल सेतु बनकर खड़ा,  
पारदर्शिता का उजला सूरज  
भ्रष्टाचार पर भारी पड़ा।

ई-गवर्नेंस, डिजिटल पहचान,  
सीधी सेवा, सीधा संवाद,  
लोकतंत्र हुआ और मजबूत  
जन-जन का बढ़ा विश्वास।

युवा शक्ति ने थामा हाथ  
कौड, डेटा, नवाचार का,  
स्टार्टअप की प्रयोगशालाओं में  
भविष्य गढ़ा भारत का।  
ऐप्स, एआई, साइबर स्पेस में  
भारत ने झंडा गाड़ा,  
डिजिटल दुनिया में अपनी  
स्वदेशी पहचान उकेरी।

आज भारत नई दिशा में  
डिजिटल कदम बढ़ा रहा है,  
अतीत की जड़ों को थामे  
भविष्य का नक्शा गढ़ रहा है।  
यह केवल बदलाव नहीं,  
यह एक राष्ट्रीय चेतना है,  
जो हर नागरिक से कहती है—  
“यह यात्रा मेरी-तेरी साझा है।”

आओ हम सब मिलकर बनें  
डिजिटल भारत के प्रहरी,  
ज्ञान, नैतिकता, नव सोच से  
भर दें इसकी हर कड़ी।  
जब तकनीक और मानवता  
एक सुर में गान करें,  
तब विश्व कहे गर्व से—  
भारत ने सच में नई दिशा गढ़ी।

अनिल कुमार गुप्ता- वैज्ञानिक सहायक-एफ, प्रचालन तारापुर परमाणु बिजलीघर



## गाँव की पाठशाला

सहज नहीं है गाँव की पाठशालाओं में पढ़ाना,  
आसाँ नहीं है वहाँ 'गुरु' का किरदार निभाना।  
जहाँ ना बैठने को कुर्सी-मेज़ ही मिलती हो,  
जहाँ ना तख्त-ए-सियाह का ही रंग बचा हो,  
जहाँ ना मयस्सर साफ़ पानी ही मिलता हो,  
जहाँ ना शौचालय का ही ढंग बचा हो।  
छत गिरने का खौफ़ जहाँ सर पे खड़ा हो,  
उजालों की चाह में अँधेरा राहों में पड़ा हो।  
पेड़ों की छाँव ही जहाँ की चारदीवारी हो,  
जेठ की तपिश और पौष की सर्दी भारी हो।  
सहज नहीं है गाँव की इन पाठशालाओं में पढ़ाना,  
आसाँ नहीं है वहाँ 'गुरु' का किरदार निभाना।

खाद की बोरियों में जहाँ किताबें आती हों,  
वही टाट बन कर फ़र्श पर बिछ जाती हों।  
जहाँ न खेल का मैदान, न ही अलग से कक्षाएँ हों,  
भ्रष्टाचार के साये में जहाँ सिमटी हुई शिक्षाएँ हों।  
निवाले में कीड़े और दाल पानी-सी पतली हो,  
जहाँ शिष्टाचार की गर्दन शूली पर लटकी हो।  
जुबान पर ठेठी बोली और बैबाक गालियाँ हो,  
और फिर उन्हीं नन्हे हाथों में मासूम तालियाँ हो।  
न कलम हो ना दवात, न रदी का ही कोई पता हो,  
खाने को न दूध मलाई, न ही इलाज़ का कोई पता हो।  
स्कूली पंखे चल रहे हों घरो में, स्कूल बना हो जनवासा,  
चुनाव और जनगणना ही जैसे हो बस सरकारी आशा।  
सहज नहीं है गाँव की इन पाठशालाओं में पढ़ाना,  
आसाँ नहीं है वहाँ 'गुरु' का किरदार निभाना।

जहाँ नन्हे हाथों में बस, मज़दूरी के औज़ार ही हों,  
बीज बोते, धान रोपते वही मासूम जब 'कलाम' हों।  
बस्ते का बोझ छोटा पड़े, फसल की बोझ भारी हों,  
भविष्य बेचकर वर्तमान बचाने की जब लाचारी हो,  
शिक्षक खामोश रहे खड़ा, सत्ता को कोई सरोकार नहीं,  
धरा की कोख से जन्मे को जहाँ जीने का अधिकार नहीं।  
वर्तमान की चोट से जहाँ, होता भविष्य अंधकार नहीं,  
मर जाने से बचपन जहाँ, होता तनिक भी हाहाकार नहीं,  
सहज नहीं है गाँव की इन पाठशालाओं में पढ़ाना,  
आसाँ नहीं है वहाँ 'गुरु' का किरदार निभाना।

जहाँ बचपन में ही सर से साया-ए-पदर उठ जाता हो,  
जहाँ माँ की जी-हुज़ूरी देख बच्चा बाप बन जाता हो।

नमक-रोटी और प्याज़ में जहाँ सिमटी जिंदगानी हो,  
मज़हब और जात की दीवारों ने बाँटी हर कहानी हो।  
एक ही नल से पानी पीना जहाँ गुनाह माना जाता हो,  
जहाँ सवर्णों के आगे सर खुद-ब-खुद झुक जाता हो।  
नंगे पाँव भविष्य ठिठुरता हो जहाँ बफ़ौली रातों में,  
सड़ती हों उँगलियाँ सावन की बरसात वाली रातों में।  
चूल्हे-चौके की आग में झुलसता कोमल बचपन हो,  
कलम की उम्र में बेटियों का होता पीला आँचल हो।  
न दवा, न मरहम, बस नीम-हकीमों का घेरा हो,  
टोने-टोटकों और वहमों का हर तरफ अंधेरा हो।  
सहज नहीं है गाँव की इन पाठशालाओं में पढ़ाना,  
आसाँ नहीं है वहाँ 'गुरु' का किरदार निभाना।

जहाँ जीवन कल की रोटी की जद्दोजहद में कटता हो,  
जहाँ होली का हर रंग भी, चेहरे पर फीका पड़ता हो।  
दीवाली के दीपों में भी जहाँ छाया घोर अँधेरा हो,  
लक्ष्मी घर का रस्ता भटके, बस मुफ़लिसी का घेरा हो।  
जहाँ महादेव की करुणा भी चौखट तक न आती हो,  
जहाँ रावण को पहचानने में एक उम्र बीत जाती हो।  
अ आ इ ई उपवास जहाँ मज़बूरी हो, भक्ति का कोई दस्तूर न हो,  
क ख ग घ जहाँ भूखे पेट की चीखों को सुनता कोई हुज़ूर न हो।  
मज़हब की पोथियों से भी जहाँ तक्रदीर न बदलती हो,  
जहाँ इंसानियत की राहों में बस नफ़रत की पगडंडी हो।  
सहज नहीं है गाँव की इन पाठशालाओं में पढ़ाना,  
आसाँ नहीं है वहाँ 'गुरु' का किरदार निभाना।

जहाँ डिग्रियाँ हाथ में हों मगर इल्म से सब जाहिल हों,  
जहाँ ख़्वाब देखने से पहले थके हुए बदन सो जाते हों।  
जहाँ त्याग और समर्पण के मायनों का बोध न हो,  
कठपुतली बने हो लोग जहाँ, होता कोई विरोध न हो।  
जहाँ हक़ की आवाज़ दबा दी जाए हर एक फैसले में,  
जहाँ बचपन भी अपाहिज हो कुपोषण के उस रेले में।  
जहाँ बच्चों के सीने में अब मासूमियत का वास न हो,  
जहाँ मंत्री सारे झूठे हों, अवाम को कोई आस न हो।  
जिस देश में शिक्षा के नाम पर बस ख़ाना-पूर्ति होती हो,  
जहाँ बजट की फ़ाइलों में शिक्षा पर चर्चा न होती हो।  
सच में, सहज नहीं है उस देश की पाठशाला में पढ़ाना,  
आसाँ नहीं है उस देश में 'गुरु' का किरदार निभाना।

**चक्रवर्ती भारती**  
वरिष्ठ अधिशासी अभियंता  
अभियांत्रिकी, एलडब्ल्यूआर, मुख्यालय

## जाने कब इतने बड़े हुए

जाने कब इतने बड़े हुए, पैरों पर अपने खड़े हुए।  
जीवन की आपाधापी में, संघर्षों की आंधी में।  
कितने आए कितने बिछड़े, कुछ अनुभव थे इतने कड़वे।  
आंखों में एक ख्वाब लिए, गिरते भी रहे, रोते भी रहे।  
कुछ समय लगा पर खड़े हुए, जाने कब हम इतने बड़े हुए।

यह याद हमेशा रहती है, जो बचपन में लेकर चलती है।  
जब बोझ नहीं था कुछ मन पर, मन मस्त मगन हम रहते थे।  
कुछ फिक्र नहीं थी ख्वाबों की, निश्चित रात में सोते थे।  
जब नींद गई, मन व्यथित हुआ, संघर्षों जीवन जटिल हुआ।  
तब पता चला अब बड़े हुए, जाने कब हम इतने बड़े हुए।

जब भूख प्यास की फिक्र न थी, दिनभर हम खेला करते थे।  
थक हार कर घर आकर, भूखे सो जाया करते थे।  
जब फिक्र हुई और भूख गई, थक कर भी न नींद हुई।  
तब पता चला अब बड़े हुए, जाने कब हम इतने बड़े हुए।

जब आपस में हम लड़ते थे, फिर भी याराना रखते थे।  
रूठ अगर जाए कोई, दिन रात मनाया करते थे।  
कुछ भाव नहीं है मन में अब, लगता अपनों से दूर हुए।  
जाने कब हम इतने बड़े हुए।

छोटी छोटी चीजें भी जब खुशियां दे जाया करती थी।  
यारों की बातें जब खूब हंसाया करती थी।  
खुशियों में भी जब हम हंसना भूल गए।  
तब पता चला अब बड़े हुए, जाने कब हम इतने बड़े हुए।

**सतेन्द्र कुमार मिश्रा**  
उप मुख्य अभियंता  
क्षेत्रीय गुणवत्ता आश्वासन केंद्र, पुणे

"हमारी नागरी लिपि दुनिया की सबसे  
वैज्ञानिक लिपि है।"

-राहुल सांकृत्यायन

## बचपन की याद

वो सुबह-सुबह उठना, पापा के साथ टहलने जाना।  
जामुन और महुआ बीन लाना, अमिया तोड़ना और नदी में नहाना।  
वो कमल के तने में अजवाइन डालकर हुक्का पीना।  
ज्वार-बाजरे की बालियों को चूल्हे में भूनकर खाना।।

घर के बाहर चबूतरे पर दोस्तों के साथ गिल्ली डंडा खेलना।  
साथ मेले में जाना और उस पैसे में प्याली भर बर्फ खाना।।  
वो हैंडपंप चलाकर ठंडे ठंडे पानी से नहाना।।  
और पास वाले कुएं से अम्मा के लिए पानी लाना।।

वो गायों को नहलाना, चारा मशीन से काटना और उन्हें खिलाना।  
बछिया के पीछे खेतों में दौड़ना और शाम को पकड़ लाना।।  
वो रात को खुली छत पर सबके साथ सानी, हंसना-खिलखिलाना।।  
मां के हाथ का खाना खाना, भाइयों के साथ खेलना-झगड़ना।।

और अब बाहर टहलने की जगह जिम, नदी की जगह स्वीमिंग।  
ज्वार-बाजरे की बाली जगह पिज्जा और मल्टीग्रेन ब्रेड है।।  
घर के चबूतरे पे मिलने वाले दोस्त और गिल्ली डंडा की जगह  
ऑन लाइन गेमिंग विद फ्रेंड्स है।।

कुएं के पानी की जगह, बिसलरी की पानी की बोतल है।  
सबकुछ एडवांस है पर वो अपनापन और अपने नहीं।  
बल्कि कमरे में बंद कंप्यूटर, वाट्सअप और वाई-फाई है।।

**रूपेश अग्रवाल**  
अपर मुख्य अभियंता  
अभियांत्रिकी-एलडब्ल्यूआर,  
मुख्यालय

"हिंदी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का  
सरलतम स्रोत है।"

-सुमित्रानंदन पंत



## एक अविस्मरणीय यात्रा

ठाणे शहर में, दस दोस्तों के एक समूह ने बरसात के मौसम में रविवार को पास की एक पहाड़ी पर पिकनिक मनाने का फैसला किया। उस सुबह, वे पहाड़ी की चोटी पर पहुँच गए। पास ही एक झरना बह रहा था, जिसके साथ एक चेतावनी बोर्ड लगा था, जो आने-जाने वालों को जानलेवा दुर्घटनाओं के खतरे से आगाह कर रहा था। दो दोस्त, राघव और रवि ने झरने पर जाने का फैसला किया। दोस्तों की चेतावनियों के बावजूद, राघव और रवि, झरने में उतर गए और धारा के बीच में स्थित एक बड़ी चट्टान पर जा बैठ गए।

अचानक, मौसम बदल गया, आसमान काला पड़ गया और तेज़ बारिश होने लगी। पहले तो राघव और रवि ने बारिश का आनंद लिया, लेकिन जैसे-जैसे बारिश तेज़ होती गई, पानी का बहाव बढ़ता गया। जल्द ही उन्हें एहसास हुआ कि किनारे तक पहुँचना मुश्किल है क्योंकि तेज़ धारा उन्हें बहा ले जाएगी। उन्होंने अपने दोस्तों को अपनी परेशानी बताई और मदद माँगी। दोस्तों ने तुरंत पुलिस और अग्निशमन विभाग से संपर्क किया। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि भारी बारिश के कारण बचाव कार्य में देरी हो सकती है। जल स्तर बढ़ रहा था, और जिस चट्टान पर राघव और रवि बैठे थे, वह जल्द ही डूबनेवाली थी। सभी दोस्त डर गए और राघव और रवि की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करने लगे। उनमें से एक दोस्त, रोहन ने बहादुरी दिखाई और उन्हें बचाने के लिए

रस्सी से मानव श्रृंखला बनाने का सुझाव दिया। किसी ने कार से एक लंबी रस्सी निकाली। उन्होंने झरने के पास एक मज़बूत पेड़ से रस्सी बाँध दी। फिर, एक-एक करके, उन्होंने रस्सी पकड़ी और मानव श्रृंखला बनाई। सावधानी और धीरे-धीरे, वे तेज़ धारा के विपरीत अपने फँसे हुए दोस्तों की ओर बढ़े। कुछ देर बाद, वे उस चट्टान पर पहुँच गए, जहाँ राघव और रवि फँसे हुए थे। उन्होंने राघव और रवि को रस्सी से बाँधा और उन्हें किनारे की ओर खींचने लगे।

धीरे-धीरे, सभी दोस्त किनारे पर पहुँचे और राहत की साँस ली। कुछ ही देर बाद, पुलिस और अग्निशमन अधिकारी घटनास्थल पर पहुँच गए। अधिकारियों ने दोस्तों की बहादुरी की सराहना की, लेकिन राघव और रवि को चेतावनियों को नज़रअंदाज़ करने और अपनी जान जोखिम में डालने के लिए डाँटा भी। राघव और रवि ने अपनी लापरवाही के लिए माफ़ी माँगी और ऐसा व्यवहार दोबारा न करने का वादा किया। इस अनुभव से, सभी दोस्तों ने चेतावनियों पर ध्यान देने और मौज-मस्ती के लिए अपनी जान जोखिम में न डालने का सबक सीखा।

सीख: साहस भय का अभाव नहीं है, बल्कि उस पर विजय है।

अब्दुल हुसैन अमरावतीवाला  
उप मुख्य अभियंता (विकास एवं अनुसंधान)  
मुख्यालय

## सफेद रेत का रेगिस्तान

परीक्षा के बाद सर्दियों की छुट्टियों में हम गुजरात के कच्छ घूमने गए थे। कच्छ जिसे सफेद रेत का रेगिस्तान कहा जाता है, वास्तव में यह सफेद नमक की परत है। दिसंबर महीने के सर्द मौसम में कच्छ घूमने का मजा ही कुछ और है। सन ऑफ कच्छ का सूर्योदय और सूर्यास्त देखने के लिए यात्री दूर-दूर से हर वर्ष आते हैं। सर्दियों के मौसम में टेन्ट सिटी में रुकना और स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेना अपने आप में एक अलग अनुभूति है। जब मैं पहली बार कच्छ आया, ऐसा लगा जैसे किसी अजूबे को देख रहा हूँ। जब हम पहले दिन कच्छ घूम रहे थे तो हमने वहाँ एक गांव देखा जिसका नाम गांधीनूगाम था। संपूर्ण विश्व में प्रसिद्ध कच्छ का पारंपरिक भोजन कच्छी दाभेली है। हमने भी सबसे पहले इसे ही चखा जो खूब स्वादिष्ट था। हमने वहाँ ऊंट की सवारी की और सफेद रेत पर कई फोटो भी क्लिक किए। अगले दिन हम पाकिस्तान का बॉर्डर देखने गए जिसे देखते ही मुझे “तारक मेहता का उल्टा चश्मा” नाटक का जेठालाल वाला एपिसोड याद आ गया जिसमें जेठालाल गलती से ऊंट पर बैठकर पाकिस्तान चला जाता है। इस कारण हम वहाँ ऊंट पर नहीं बैठे। कच्छ में इस आनंदमय यात्रा के पांच दिन कैसे बीत गए, पता ही नहीं चला। हमने आईआरसीटीसी का विशेष दूर पैकेज लिया था जिसमें हमने कई परिवारों के साथ समूह में ट्रेन की यात्रा की।

विदित चंद्रा

पुत्र श्री विजय के चंद्रा,  
वरिष्ठ प्रबंधक (संसाधन), मुख्यालय

## महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों की अविस्मरणीय यात्रा

भारतवर्ष में ऐसे कई महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल हैं, जिनकी जीवन में एक बार यात्रा कर हम इस देश में विविधता में एकता को देख सकते हैं। देश में विभिन्न क्षेत्र, जाति, धर्म, पंथ, भाषा, वेशभूषा तथा संस्कृतियों के संगम को महसूस कर सकते हैं। जीवन में प्राकृतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, प्रादेशिक, प्राकृतिक विविधताओं में देश की एकता-अखंडता को उत्तर से दक्षिण अर्थात् कश्मीर से कन्याकुमारी, अंडमान निकोबार आइलैंड तक देख सकते हैं।

**अंडमान और निकोबार द्वीप की यात्रा :** अंडमान और निकोबार द्वीप की यात्रा जीवन की सबसे यादगार यात्राओं में से एक रही। हिंद महासागर की नीली लहरों के बीच बसे ये द्वीप अपनी प्राकृतिक सुंदरता, स्वच्छ वातावरण और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। जब हम पहली बार यहाँ पहुँचे तो चारों ओर फैली हरियाली, साफ़ नीला आसमान और समुद्र की मधुर ध्वनि ने मन को मोहित कर लिया। इस यात्रा की शुरुआत पोर्ट ब्लेयर से हुई, जो इस द्वीप समूह की राजधानी है। वहाँ का प्रसिद्ध सेल्युलर जेल (काला पानी) देखकर मुझे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान की याद आ गई। उस स्थान का हर कोना इतिहास की गाथा सुनाता है। शाम को होने वाला लाइट एंड साउंड शो बेहद भावुक कर देने वाला था। इसके बाद हमने हैवलॉक द्वीप (स्वराज द्वीप) का रुख किया। यहाँ का राधानगर बीच विश्व के सबसे सुंदर समुद्र बीचों में से एक माना जाता है। सफेद रेत और नीले पानी का अद्भुत संगम मन को शांति और आनंद से भर देता है। हमने वहाँ तैराकी और स्नॉर्कलिंग का अनुभव किया, जिसमें रंग-बिरंगी मछलियाँ और मूंगे की चट्टानें देखकर मैं आश्चर्यचकित रह गया। नील द्वीप (शहीद द्वीप) भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। वहाँ का भारतपुर बीच और लक्ष्मणपुर बीच अत्यंत मनमोहक हैं। सूर्यास्त का दृश्य इतना सुंदर था कि उसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है।



इस यात्रा के दौरान हमें स्थानीय संस्कृति और लोगों से मिलने का अवसर मिला। यहाँ के लोग सरल, मिलनसार और प्रकृति से जुड़े हुए हैं। उनके जीवन में सादगी, संतोष स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अंडमान-निकोबार की यात्रा केवल एक पर्यटन नहीं, बल्कि एक सीख है-प्रकृति से प्रेम करना, इतिहास को समझना और जीवन के सरल सुखों को महसूस करना। यह अनुभव हमारे लिए हमेशा ताजा रहेगा व बार-बार वहाँ जाने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

**केरल की यात्रा:** भारत के दक्षिण-पश्चिमी तट पर स्थित केरल प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। केरल यात्रा जीवन की सबसे सुखद व यादगार यात्राओं में से एक रही। केरल का एक शहर कोच्चि है, जो एक ऐतिहासिक और व्यावसायिक नगर है। यहाँ के पुराने चर्च, डच महल, यहूदियों के धर्मस्थल सिनागॉग और चीनी मछली पकड़ने के जाल ने आकर्षित किया। समुद्र के किनारे खड़े होकर सूर्यास्त देखना एक अद्भुत अनुभव था। केरल का मुन्नार हरे-भरे चाय बागानों और ठंडी वादियों के लिए प्रसिद्ध है। दूर-दूर तक फैली चाय की खेती, पहाड़ों पर लिपटी धुंध, झरनों की मधुर ध्वनि मन को शांति से भर देती है। यहाँ का वातावरण इतना स्वच्छ और शांत था कि मानो प्रकृति खुद हमें अपने पास बुला रही हो। यात्रा का अगला पड़ाव अलेप्पी था जिसे "बैकवाटर की राजधानी" कहा जाता है। यहाँ परिवार ने हाउसबोट में सफर किया जो एक नया और अनोखा अनुभव था। शांत जल धाराओं में तैरते हुए नारियल के पेड़ों की छाया, पक्षियों की चहचहाहट ने यात्रा को और भी सुखद बना दिया। केरल की संस्कृति भी उतनी ही आकर्षक है। यहाँ का प्रसिद्ध नृत्य कथकली अपने रंग-बिरंगे वेशभूषा और भावपूर्ण अभिनय के लिए जाना जाता है। इसके अलावा, यहाँ के स्वादिष्ट व्यंजन जैसे नारियल से बने पकवान, मसालेदार करी ने मेरी यात्रा को स्वाद से भी भर दिया। केरल की सैर से प्रकृति के करीब जाकर मन को सच्ची शांति मिलने के साथ यहाँ की हरियाली, जलमार्ग और सांस्कृतिक विविधता एक अद्भुत संगम प्रस्तुत करते हैं। अगले पड़ाव तिरुवनंतपुरम की स्वच्छता, हरियाली और शांत वातावरण ने मोहित कर लिया। सबसे पहले हम प्रसिद्ध कोवलम बीच गए।



नीले समुद्र की लहरें, सुनहरी रेत और नारियल के पेड़ों की कतारें किसी चित्र की तरह लग रही थीं। परिवार के साथ समुद्र तट पर समय बिताना, लहरों के साथ खेलना और सूर्यास्त देखना बेहद आनंददायक अनुभव था। इसके बाद हमने विडिंजम बीच और शांगुमुखम बीच का भी भ्रमण किया। हर बीच की अपनी अलग सुंदरता और शांति थी। इन स्थानों पर प्रकृति के साथ बिताया गया समय हमें शहर की भागदौड़ से दूर एक नई ताजगी दे रहा था। यात्रा के दौरान हमने कुछ ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों, जैसे; चेरामन जामा मस्जिद की यात्रा की जो अपनी सादगी व ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। वहाँ जाकर एक अलग ही शांति का अनुभव हुआ। इसके बाद हम सड़क मार्ग से कन्याकुमारी की ओर बढ़े। रास्ते में समुद्र के दृश्य, हरे-भरे खेत और छोटे-छोटे गाँव यात्रा को और भी रोचक बना रहे थे। अंततः कन्याकुमारी पहुँचे, जहाँ तीन समुद्र - अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर, का अद्भुत संगम होता है। यहाँ स्थित विवेकानंद रॉक मेमोरियल व तिरुवल्लुवर प्रतिमा ने भी प्रभावित किया। कन्याकुमारी का सूर्योदय और सूर्यास्त दोनों ही अद्भुत होता है।



जब सूरज समुद्र के बीचों-बीच उगता और ढलता है, तो आकाश रंग बदलते हुए मन को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। उस क्षण पूरा परिवार एक साथ बैठकर उस दृश्य का आनंद ले रहा था, जो हमारी यात्रा की सबसे खास याद बन गया। इस पूरी यात्रा ने हमें न केवल प्रकृति की सुंदरता से रूबरू कराया, बल्कि परिवार के साथ बिताए अनमोल पलों का महत्व भी समझाया। केरल से कन्याकुमारी तक की यह यात्रा हमारे दिलों में हमेशा जीवित रहेगी। एक ऐसी याद, जो हमें हर बार मुस्कुराने पर मजबूर कर देगी।

**कश्मीर की यात्रा :-** धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर की यात्रा हर किसी का सपना होता है। परिवार के साथ इस सुंदर प्रदेश की सैर करना जीवन का अविस्मरणीय अनुभव रहा। बर्फ से ढंकी पहाड़ियाँ, हरे-भरे मैदान, झीलों की शांति और लोगों की आत्मीयता सब कुछ मन को मोह लेने वाला

था। हमारी यात्रा की शुरुआत दिल्ली से हवाई जहाज द्वारा सीधे श्रीनगर से हुई। यहाँ की प्रसिद्ध डल झील पर शिकारा की सवारी हमारे पूरे परिवार के लिए सबसे खास अनुभव था। शांत जल में तैरते रंग-बिरंगे शिकारे और चारों ओर बर्फ से ढंकी पहाड़ियों का दृश्य किसी सपने से कम नहीं लग रहा था। हमने हाउसबोट में भी चार रातें बिताई, जो अपने आप में अनोखा अनुभव था। इसके बाद हम गुलमर्ग गए, जो अपनी बर्फीली वादियों और स्कीइंग के लिए प्रसिद्ध है। बच्चों ने बर्फ में खेलकर खूब आनंद लिया, जबकि बड़ों ने पहाड़ों की खूबसूरती का लुत्फ उठाया। यहाँ की ठंडी हवा और सफेद चादर से ढंके मैदान मन को शांति और सुकून देते हैं। अगला पड़ाव था पहलगाम, जो लिद्दर नदी के किनारे बसा एक शांत और सुंदर स्थल है। यहाँ के हरे-भरे घास के मैदान, बहती नदी और ऊँचे-ऊँचे देवदार के पेड़ वातावरण को और भी मनमोहक बना देते हैं।



परिवार के साथ यहाँ बिताया गया समय हमें प्रकृति के करीब ले आया। कश्मीर की यात्रा केवल प्राकृतिक सुंदरता तक सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ की संस्कृति और खान-पान भी उतने ही आकर्षक हैं। हमने यहाँ के पारंपरिक व्यंजन जैसे कश्मीरी वजवान का स्वाद लिया, जो बेहद स्वादिष्ट था। स्थानीय लोगों की सादगी और मेहमाननवाजी ने हमारे दिलों में एक खास जगह बना ली। इस यात्रा का सबसे खास पहलू यह था कि हम सब परिवार के सदस्य एक साथ थे - हँसी-मजाक, बातचीत और साथ बिताए गए हर पल ने इस यात्रा को और भी यादगार बना दिया। कश्मीर की वादियों में बिताए गए ये दिन हमारे दिलों में हमेशा के लिए बस गए हैं। अंततः, कश्मीर की यह पारिवारिक यात्रा केवल एक पर्यटन अनुभव नहीं, बल्कि जीवन की अनमोल यादों का खज़ाना बन गई। यहाँ की सुंदरता और शांति हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है और सच में यह स्थान धरती का स्वर्ग कहलाने योग्य है।

शरीफ खान  
वैज्ञानिक सहायक - ई  
रावतभाटा राजस्थान साईट

## नाभिकीय शब्दावली

क्र.सं.	अंग्रेजी शब्द	हिंदी अर्थ
1	Abnormal occurrence	अपसामान्य घटना
2	Abrasion	अपघर्षण
3	Absolute humidity	निरपेक्ष आर्द्रता
4	Accident simulation	दुर्घटना अनुकृति
5	Biotic	जीवीय
6	Blanket material	परिच्छादी पदार्थ
7	Bivalent	द्विसंयोजी
8	Biothermal	जैवतापीय
9	Circuit breaker	परिपथ विच्छेदक
10	Composite Molecule	संयुक्त अणु
11	Commercial operation	वाणिज्यिक प्रचालन
12	Connecting rod	संयोजी छड़
13	Contamination survey	संदूषण सर्वेक्षण
14	Delayed critical neutron	विलंबित क्रांतिक न्यूट्रॉन
15	Defence-in-depth	गहन सुरक्षा
16	Dehydration	निर्जलीकरण
17	Deterministic effect	निश्चयात्मक प्रभाव
18	Deuterium substituted lubricant	ड्यूटीरियम प्रतिस्थापित स्नेहक
19	Dielectronic constant	पराइलेक्ट्रॉनिक नियतांक
20	Energy dispersive analysis	ऊर्जा विक्षेपण विश्लेषण
21	En masse coolant channel replacement	सामूहिक शीतलक चैनल प्रतिस्थापन
22	Entombment decommissioning	परिवेष्टन विकमीशनन
23	Fluorimetric estimation	प्रतिदीप्तमितीय आकलन
24	Food irradiation	खाद्य किरणन

# गणतंत्र दिवस समारोह 2026





न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड  
Nuclear Power Corporation of India Limited

# न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

(परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत भारत सरकार का उद्यम)

विक्रम साराभाई भवन, अणुशक्तिनगर, मुंबई 400094 (महाराष्ट्र)

ईमेल: [bvschauhan@npcil.co.in](mailto:bvschauhan@npcil.co.in) संपर्क: +91 22 2599 1063/63991063

पंजीकृत कार्यालय : 16वाँ तल, सेन्टर-1, विश्व व्यापार केन्द्र, कफ परेड, कुलाबा, मुंबई-400 005

निगम पहचान सं. U40104 MH 1987 GOI 149458

वेबसाइट: [www.npcil.nic.in](http://www.npcil.nic.in)

रावतभाटा राजस्थान साइट

